हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

# मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 03 अंक - 08 बेमेतरा, शुक्रवार 21 अगस्त 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

## इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में पेपर लीक मामला सीएम साय ने कहा- दोषियों पर होगी कार्रवाई

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में पेपर लीक का मामला सामने आया है। इस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, यह मामला हमारे संज्ञान में है। परीक्षा रद्द कर दी गई है। पांच सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीएम साय ने कहा, कांग्रेस ने वंदेमातरम के दो पद गाने का निर्णय लिया है। कांग्रेस और मुस्लिम लीग में कोई अंतर नहीं है। कांग्रेस के तुष्टिकरण के कारण देश का बंटवारा हो गया। वंदेमातरम को गाकर लोग देश के लिए कुर्बान हो गए। राष्ट्रगीत का हमेशा सम्मान होना चाहिए।

बता दें कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज दिल्ली के लिए रवाना हुए। उनके साथ उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन भी गए।

## संपत्तिकर बकायेदारों पर नगर निगम की कार्रवाई, दो व्यावसायिक परिसर सील, 9.83 लाख रुपए की हुई वसूली

**रायपुर।** नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 08 में लंबे समय से संपत्तिकर की बकाया राशि जमा नहीं करने वाले बड़े बकायादारों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। आयुक्त, अपर आयुक्त, उपायुक्त और जोन आयुक्त के निर्देश पर गुरुवार को संपत्तिकर बकायादारों को डिमांड बिल, डिमांड नोटिस और अंतिम नोटिस जारी करने के बाद भी भुगतान नहीं करने पर व्यावसायिक परिसरों के खिलाफसीलबंदी एवं पुनर्मूल्यांकन की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान वीर सावरकर नगर वार्ड क्रमांक 01 स्थित दो व्यावसायिक परिसरों को सील किया गया। इनमें एक परिसर का संपत्तिकर बकाया 6 लाख 47 हजार 964 रुपए तथा दूसरे का 71 हजार 143 रुपए बताया गया है। दोनों परिसरों को ताला लगाकर सीलबंद किया गया। इसी तरह पंडित जवाहरलाल नेहरू वार्ड क्रमांक 02 स्थित प्रेमशील स्टील प्रो. संजय कुमार लूनिया के व्यावसायिक परिसर का पुनर्मूल्यांकन किया गया। यहां बकाया राशि 2 लाख 64 हजार 789 रुपए बताई गई, जिसे मौके पर जमा कराया गया। नगर निगम के अनुसार तीनों मामलों में कुल 9 लाख 83 हजार 896 रुपए की राशि से संबंधित कार्रवाई की गई है।

## छत्तीसगढ़ में 56 सिविल जजों की पोस्टिंग, हाईकोर्ट ने जारी किया आदेश

सभी नव नियुक्त न्यायिक अधिकारियों को 29 अगस्त तक अपने अपने पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने का आदेश जारी किया गया है

**बिलासपुर।** छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अधीनस्थ न्यायपालिका में महत्वपूर्ण प्रशासनिक कदम उठाते हुए छत्तीसगढ़ लोअर ज्यूडिशियल सर्विस कैडर में परिवीक्षा पर नियुक्त 56 सिविल जज जूनियर डिवीजन की पदस्थापना का आदेश जारी किया है. हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल राजनीश श्रीवास्तव द्वारा जारी आदेश क्रमांक 737/II-3-1/2026/Confdl./2026 के अनुसार सभी नव नियुक्त न्यायिक अधिकारियों को अपने-अपने पदस्थापन स्थल पर 29 अगस्त 2026 तक कार्यभार ग्रहण करना होगा।

### हाईकोर्ट के आदेश में पदस्थ किए गए 56 न्यायिक अधिकारियों के नाम एक साथ इस प्रकार हैं

अंजुम आरा अहमद, शिवांगी तिवारी, आयुष चौरसिया, अगन कुमार दाहाके, एकांश अग्रवाल, शुभम नामदेव, आर्यमान सिंह रघुवंशी, कार्तिकी अवंतिका, अपेक्षा सिंघई, शक्ति चतुर्वेदी, सिमरप्रीत सलूजा. दीपांशी जैन, कुसुमांजलि सिन्हा, अंकित नांदे, हिमालय रवि, रौशन कुमार पाठक, तृप्ति अग्रवाल, प्रतीक कांत, अभिनव अग्रवाल, हर्षिता अग्रवाल, दुर्गेश नंदिनी मरावी, शुभम राठौर, सृष्टि सोनकला,नागेंद्र सिंह, प्रज्ञा वैष्णव, श्रेया ओरमालिया. दीपक कुमार चंद्राकर, सौनक वर्मा, यशवंत देवांगन,रिचा रेन्नी तिग्गा, समृद्धि जोशी, सौरभ कुमार तरार,राशि कंकड़वाल, ज्योति शर्मा, अंजू पाथरे,सीमा तांडेय, राहुल कुमार निराला, कुदीक्षा किंडो,प्रिया सोमावर, कोमल कृति उरांव. आकांक्षा खेस पन्ना, मेघा पलेश्वर, आयुष यार्दी, अश्विन ज़ाक्सा, शिवानी डहरिया,तेशंक ध्रुव, प्रथमेंद्र हिडको, दीपल अजगल्ली, हेमंत प्रसाद, रितु नेताम, यश मौर्य, अपूर्वा मरकाम, करण शाह खुर्शी, स्वाति पैंकरा, एडविना एक्का और एंजेल सिंह।

### इन जिलों में सिविल जजों की नियुक्ति

इन नव नियुक्त न्यायिक अधिकारियों को बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, बलौदाबाजार, कोरबा, जशपुर, रायगढ़, जांजगीर, बैकुंठपुर, राजनांदगांव, महासमुंद, धमतरी, अंबिकापुर, सूरजपुर, कांकेर, कोंडागांव, जगदलपुर, दंतेवाड़ा, कवर्धा, मुंगेली और बलरामपुर-रामानुजगंज सहित प्रदेश के विभिन्न न्यायिक जिलों में पदस्थ किया गया है। पदस्थापना आदेश के अनुसार कुछ न्यायिक अधिकारियों को संबंधित सिविल जज जूनियर डिवीजन के न्यायालय में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में जिम्मेदारी दी गई है, जबकि कुछ को सीधे सिविल जज जूनियर डिवीजन के पद पर पदस्थ किया गया है, बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग जैसे प्रमुख न्यायिक केंद्रों के साथ-साथ प्रदेश के दूरस्थ एवं आदिवासी बहुल क्षेत्रों के न्यायिक जिलों में भी नए अधिकारियों की पदस्थापना की गई है। 56 नए न्यायिक अधिकारियों की पदस्थापना से प्रदेश की अधीनस्थ न्यायपालिका में न्यायिक कार्यों के संचालन को मजबूती मिलने की उम्मीद है. विभिन्न जिलों में न्यायिक अधिकारियों की उपलब्धता बढ़ने से न्यायालयीन कार्यों के प्रभावी

## मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत के लिए रक्षा सहयोग बढायेंगे भारत-जापान, समुद्री सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर

**नयी दिल्ली।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को यहां जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ रक्षा मंत्रिस्तरीय बैठक की जिसमें दोनों पक्षों ने मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए रक्षा सहयोग को प्रगाढ़ करने की प्रतिबद्धता जताई।

रक्षा मंत्रालय ने बैठक के बाद जारी साझा प्रेस वक्तव्य में कहा कि दोनों मंत्रियों ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा हालात पर आकलन साझा करने तथा नौवहन और हवाई उड़ान की स्वतंत्रता एवं सुरक्षा में बाधा डालने वाली एकतरफा कार्रवाइयों तथा बल या दबाव के जरिए यथास्थिति बदलने के प्रयासों का कड़ा विरोध किया है। सिंह ने बैठक के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा , हिन्द प्रशांत की स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम। नयी दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ सार्थक बैठक हुई। बैठक में हमने समुद्री सुरक्षा सहयोग मजबूत करने , मेक इन इंडिया पहल के तहत रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग बढ़ाने और सामरिक साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा की। साझा प्रेस वक्तव्य में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने हिन्द-प्रशांत में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए समुद्री सुरक्षा सहयोग को व्यावहारिक और प्रभावी तरीके से बढ़ाने पर सहमति जताई। उन्होंने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किये जिसमें समुद्री क्षेत्र से संबंधित जागरूकता, खोज एवं बचाव, मानवीय सहायता और आपदा राहत तथा भारतीय नौसेना और जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स के बीच सहयोग मजबूत करना शामिल है।

दोनों मंत्रियों ने समुद्री संचार लाइनों की सुरक्षा के लिए नौसैनिक जहाजों की पारस्परिक यात्राओं, संयुक्त अभ्यास, सैन्यकर्मियों और विशेषज्ञों के आदान-प्रदान तथा बंदरगाहों, रखरखाव और मरम्मत सुविधाओं के इस्तेमाल सहित लॉजिस्टिक सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

## केंद्रीय कक्ष में राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई

**नयी दिल्ली।** कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित पार्टी के कई प्रमुख नेताओं ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न राजीव गांधी की 82वीं जयंती पर संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

गांधी और खरगे के अलावा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उन्हें नमन किया। खरगे ने राजीव गांधी को याद करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा पूर्व प्रधानमंत्री की 82वीं जयंती पर उनके उस दृष्टिकोण को याद किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य देश में परिवर्तन, शांति और समृद्धि लाना था। राजीव गांधी की स्थायी विरासत हमेशा भारत के भविष्य के लिए मार्गदर्शक बनी रहेगी। इससे पहले गांधी, खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री की समाधि वीर भूमि में भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

## युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया 30 अगस्त से, 29 सितंबर तक चलेगी सदस्यता

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव के लिए चुनावी सदस्यता और चुनाव प्रक्रिया 30 अगस्त से शुरू होगी। यह प्रक्रिया 29 सितंबर शाम 5 बजे तक चलेगी। संगठन ने चुनाव में भाग लेने वाले सदस्यों और इच्छुक युवाओं से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव को लेकर पिछले कुछ समय से कार्यकर्ताओं के बीच शिकायतें और विवाद सामने आए थे। चुनाव में कथित अनियमितताओं, नियमों में बदलाव और चुनावी प्रक्रिया को लेकर कई कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय नेतृत्व तक अपनी शिकायतें पहुंचाई थीं। इसके बाद राष्ट्रीय नेतृत्व ने मामले का संज्ञान लेते हुए कार्यकर्ताओं की आपत्तियों और चुनाव से जुड़ी स्थिति की जानकारी लेने की पहल की। इसी क्रम में युवा कांग्रेस प्रभारी स्मृति रंजन लेंका 17 से 19 अगस्त तक छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने चुनाव प्रक्रिया से प्रभावित कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी शिकायतों और आपत्तियों को सुना। कार्यकर्ताओं ने कथित अनियमितताओं, नियमों में बदलाव तथा अब तक की गई कार्रवाई से जुड़े मुद्दे राष्ट्रीय पदाधिकारियों के समक्ष रखे। पदाधिकारियों ने इन शिकायतों को समझने के साथ ही उनके निराकरण के लिए आगे की प्रक्रिया पर चर्चा की। रायपुर के शंकर नगर स्थित राजीव भवन में 17 अगस्त को प्रदेश प्रभारी स्मृति रंजन लेंका और चुनाव पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की थी। इसमें चुनाव प्रक्रिया से प्रभावित कार्यकर्ताओं ने अपनी शिकायतें और आपत्तियां रखीं। बताया गया कि चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं द्वारा उठाए गए सवालों को मीडिया में प्रमुखता मिलने के बाद राष्ट्रीय नेतृत्व ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पदाधिकारियों को छत्तीसगढ़ भेजकर कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद करने और स्थिति की जानकारी लेने का निर्णय लिया था। इस बीच चुनाव में युवाओं की भागीदारी को लेकर संगठन की ओर से बड़े आंकड़े सामने आए हैं। पीआरओ राकेश सिंह नेगी के अनुसार, करीब 6 हजार नामांकन प्राप्त हुए हैं। संगठन की संभावित 20 लाख से अधिक सदस्यता के बीच इतनी बड़ी संख्या में नामांकन को चुनाव में व्यापक भागीदारी के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। नेगी का दावा है कि इस बार युवा कांग्रेस के चुनाव में पिछले कई रिकॉर्ड टूट सकते हैं। नई चुनावी समय-सारिणी के अनुसार 30 अगस्त से शुरू होने वाली प्रक्रिया 29 सितंबर शाम 5 बजे तक जारी रहेगी।

## सीतारमण, जयशंकर ने सिंगापुर में की प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात

**नयी दिल्ली/ सिंगापुर।** केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को सिंगापुर में वहां के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात की। इस बैठक में उनके साथ विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी तथा वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद भी मौजूद थे। दोनों पक्ष के नेताओं ने इस अवसर पर भारत-सिंगापुर 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' की वृहद योजना को लागू करने में हुई प्रगति पर चर्चा की। साथ ही, उन्होंने आर्थिक सहयोग, डिजिटलीकरण, कनेक्टिविटी, कौशल विकास और स्थिरता जैसे क्षेत्रों में आपसी सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर भी बातचीत की।

## जनरल सेठ ने नेपाल में नौ पूर्व सैनिकों को 'योद्धा सेवा सम्मान' से किया सम्मानित

**नयी दिल्ली।** सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने नेपाल के पोखरा में भारतीय सेना के नौ पूर्व सैनिकों को 'योद्धा सेवा सम्मान' से सम्मानित किया है। सेना के अनुसार यह सम्मान सेवानिवृत्ति के बाद समाज और स्थानीय समुदायों के लिए उनके उल्लेखनीय योगदान को मान्यता देता है। जनरल सेठ ने पोखरा यात्रा के दौरान बुधवार को भारतीय सेना के पूर्व सैनिकों और वीर नारियों से मुलाकात की तथा सैन्य सेवा के बाद भी सेवा की भावना जारी रखने वाले नौ पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। सम्मानित किये जाने वाले पूर्व सैनिकों में सूबेदार एवं मानद कैप्टन रेशम बहादुर छेत्री, सूबेदार एवं मानद कैप्टन किशन बहादुर थापा, सूबेदार एवं मानद कैप्टन डम बहादुर पुन, सूबेदार मेजर एवं मानद लेफ्टिनेंट विदुर थापा, सूबेदार एवं मानद कैप्टन तारा प्रसाद श्रेष्ठ, हवलदार कर्ण बहादुर गुरुंग, हवलदार माबी राज राय, नायक कुल बहादुर छेत्री और नायक जगत प्रसाद गुरुंग शामिल हैं।

## केरल सरकार ने मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों के खतरे के बीच मच्छर नियंत्रण के उपाय तेज किए

**तिरुवनंतपुरम।** केरल सरकार ने मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों को रोकने के प्रयासों के तहत पूरे राज्य में मच्छरों तथा उनके लार्वा को खत्म करने के उपायों एवं बीमारी की निगरानी प्रकिया को तेज करने का निर्णय लिया है। उन इलाकों में बीमारी की विशेष जांच और बुखार के सर्वे किए जाएंगे जहां पहले मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों के मामले ज्यादा सामने आए हैं। जिन इलाकों में प्रवासी मजदूर रहते हैं।

### ईरान के खिलाफ अपने आर्थिक अभियान को अभूतपूर्व स्तर पर अलग-थलग करने वाला कदम बताया

## ट्रंप ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाया, इसे बताया इतिहास का 'सबसे ज़बरदस्त' कदम

**वॉशिंगटन।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर पहले से लगे कड़े प्रतिबंधों के अलावा और भी ज़्यादा आर्थिक दबाव डालने की घोषणा की है। उन्होंने इसे ईरान के खिलाफ इतिहास का सबसे ज़बरदस्त आर्थिक अभियान बताया है, क्योंकि ईरान ने अमेरिका के साथ समझौता करने से इनकार कर दिया है।

ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान को समझौता करने का जितना बड़ा मौका मैंने दिया, उतना किसी और ने नहीं दिया। दुख की बात है कि वे इसका फायदा नहीं उठा पाए। इसलिए, मैं किसी भी देश के खिलाफ अब तक का सबसे ज़बरदस्त आर्थिक अभियान शुरू करने की घोषणा कर रहा हूँ! अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि जो भी देश ईरान को अपने कारोबार और सरकारी संस्थाओं के ज़रिए मदद देगा, उसे भारी आर्थिक नतीजों का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, मैं यह भी घोषणा कर रहा हूँ कि जो भी देश अपने वित्तीय संस्थानों, कारोबारों, हवाई अड्डों या सरकारी संस्थाओं को ईरान को किसी भी तरह की मदद (लाइफलाइन) देने की इजाज़त देगा, उसे खुद भारी आर्थिक नतीजों का सामना करना पड़ेगा। तेल की तस्करी, स्वैप लाइन, कैश ट्रांसफर, एक्सचेंज हाउस, जहाज़ों की रजिस्ट्री, फ्रंट कंपनियाँ — यह सब अभी बंद होना चाहिए। उन्होंने ईरान के खिलाफ अपने आर्थिक अभियान को अभूतपूर्व स्तर पर अलग-थलग करने वाला कदम बताया और अमेरिकी सहयोगियों से इन उपायों में शामिल होने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, यह अभूतपूर्व स्तर पर आर्थिक युद्ध और अलग-थलग करने वाला कदम होगा। इससे पहले ट्रंप ने मीडिया से कहा था कि अमेरिका पहले से लगे कड़े प्रतिबंधों के अलावा ईरान पर और भी ज़्यादा आर्थिक दबाव डाल सकता है।

ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, हमारे पास ऐसी चीज़ें हैं जिन पर हम प्रतिबंध लगा सकते हैं। हमारे पास बहुत सख़्त प्रतिबंध हैं, और देखते हैं क्या होता है। सीएनएन ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि अमेरिकी अधिकारियों ने अपने राजनीतिक सहयोगियों को सूचित किया है कि वे ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के बजाय धीरे-धीरे आर्थिक रूप से उसका दम घोंटने की रणनीति अपना रहे हैं।

## प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर दी श्रद्धांजलि

**नयी दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कांग्रेस नेता राजीव गांधी को याद किया, जिन्होंने 1984 से 1989 तक भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर सेवा की थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज उनकी जयंती पर, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी को मेरी श्रद्धांजलि। बीस अगस्त 1944 को जन्मे राजीव गांधी, अक्टूबर 1984 में अपनी मां और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 40 साल की उम्र में भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने। इसके बाद उन्होंने 1989 के लोकसभा चुनावों में पार्टी की हार तक कांग्रेस और देश का नेतृत्व किया। राजीव गांधी का कार्यकाल आधुनिकीकरण और तकनीक के इस्तेमाल पर ज़ोर देने के लिए जाना जाता है। उनकी सरकार ने शिक्षा और पंचायती राज जैसे क्षेत्रों में पहल करने के अलावा, कंप्यूटरीकरण और टेलीकम्युनिकेशन के विस्तार को बढ़ावा दिया। उनकी सरकार ने वोट देने की उम्र भी 21 से घटाकर 18 साल कर दी थी। वर्ष 1989 में कांग्रेस के सत्ता से बाहर होने के बाद राजीव गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता बने। 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान एक बम धमाके में उनकी हत्या कर दी गई थी। कांग्रेस उनकी जयंती को 'सद्भावना दिवस' के रूप में मनाती है।

# इन्द्रावती तट पर आपदा प्रबंधन का अभ्यास, अस्पताल की दीवार गिरने पर रेस्क्यू का प्रदर्शन

## बाढ़ में सड़क बंद हुई तो हेलिकॉप्टर से भेजेंगे गंभीर मरीज

**बीजापुर/मूक पत्रिका**

**आशीष पदमवार।** बाढ़ के दौरान सड़क मार्ग बंद होने पर गंभीर मरीजों को समय पर इलाज मिल सके, इसके लिए प्रशासन की वैकल्पिक व्यवस्था का गुरुवार को भोपालपटनम में अभ्यास किया गया। इन्द्रावती नदी तट पर आयोजित आपदा प्रबंधन मॉकड्रिल में अस्पताल की दीवार गिरने और मरीजों के मलबे में दबने की स्थिति बनाई गई। बचाव दलों ने मौके पर पहुंचकर मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने के साथ गंभीर मरीजों को हेलिकॉप्टर से उच्च स्तरीय इलाज के लिए भेजने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। कलेक्टर विश्वदीप के मार्गदर्शन में हुए इस अभ्यास में बाढ़ जैसी स्थिति में राहत और बचाव की तैयारियों को परखा गया। सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंचा और मलबे में फंसे मरीजों को निकालने की कार्रवाई की। गंभीर मरीजों को रेफर करने की प्रक्रिया भी मॉकड्रिल का हिस्सा रही।

**सड़क संपर्क टूटने पर हवाई रेस्क्यू-** बाढ़ के कारण सड़क संपर्क पूरी तरह टूट जाने की स्थिति में गंभीर मरीजों को हेलिकॉप्टर से बाहर निकालकर बड़े अस्पताल तक पहुंचाने का अभ्यास किया गया। मरीजों को घटनास्थल से सुरक्षित निकालकर हेलिकॉप्टर तक पहुंचाने और हवाई मार्ग से स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया दिखाई गई। आईपीएस रविन्द्र मीणा और जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मुकेश देवांगन ने अभ्यास के दौरान टीमों को आवश्यक मार्गदर्शन दिया। पुलिस, राजस्व, स्वास्थ्य, नगर सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीमों ने इसमें भाग लिया।मॉकड्रिल के जरिए यह परखा गया कि आपदा की स्थिति में अलग-अलग विभाग किस तरह आपसी तालमेल के साथ तेजी से राहत और बचाव कार्य कर सकते हैं। साथ ही सड़क संपर्क टूटने की स्थिति में गंभीर मरीजों को वैकल्पिक माध्यम से जल्द उपचार तक पहुंचाने की व्यवस्था को भी देखा गया।

---------------------

**मॉकड्रिल के मुख्य बिंदु-**रेस्क्यूः अस्पताल की दीवार गिरने से मलबे में दबे मरीजों को निकालने का अभ्यास।

हवाई सुविधाः सड़क मार्ग बंद होने पर गंभीर मरीजों को हेलिकॉप्टर से भेजने का प्रदर्शन। संयुक्त प्रयासः पुलिस, स्वास्थ्य, राजस्व और विभिन्न बचाव दलों ने मिलकर अभ्यास किया।उद्देश्यः बाढ़ जैसी आपदा में राहत, बचाव और चिकित्सा व्यवस्था को समय पर सक्रिय करना।

# देवरबीजा मंडल कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक संपन्न – आशीष छाबड़ा

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार एवं जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष आशीष छाबड़ा जी के नेतृत्व तथा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेरला के तत्वावधान में देवरबीजा मंडल कांग्रेस कमेटी अंतर्गत ग्राम पंचायत सलधा में मंडल कांग्रेस कमेटी की महत्वपूर्ण मासिक बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

बैठक में स्मार्ट मीटर हटाने एवं इस संबंध में चलाए जा रहे फॉर्म भरने के अभियान को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। साथ ही संगठनात्मक गतिविधियों, जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों एवं आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अभियान को प्रभावी बनाने को लेकर अपने सुझाव भी दिए। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कहा कि स्मार्ट मीटर को लेकर आम उपभोक्ताओं में चिंता की स्थिति बनी हुई है। कांग्रेस पार्टी उपभोक्ताओं के हितों की आवाज मजबूती से उठाती रहेगी। स्मार्ट मीटर हटाने एवं फॉर्म भरने के अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाकर अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी एकजुटता के साथ अभियान को सफल बनाने तथा आम जनता की समस्याओं को मजबूती से उठाने का आह्वान किया। आशीष छाबड़ा ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर तक लगातार सक्रियता जरूरी है। कांग्रेस कार्यकर्ता जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझें और जनहित के मुद्दों पर एकजुट होकर संघर्ष करें। इस अवसर पर सुरेश दुबे, प्रवीण शर्मा, विजय देवागन, प्रदीप साहू,नंदू सलूजा,, शोभा साहू, टोनू देवागन, राजा साजु, दिलहरन साहू खिल्लू साहू, सुब्बू साहू, सहदेव साहू, परस साहू,,गौकरण टंडन, संजय यदु,नारायण वर्मा,गुल्ला निषाद, मंगलू साहू, राजेश निषाद, गोरेलाल साहू फत्ते पटेल सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# कुशलनगर में जुआ खेलते 8 लोग गिरफ्तार, 8,300 रुपये समेत ताश और वाहन जब्त..

**सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका**

सारंगढ़ पुलिस ने अवैध जुआ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुशलनगर में जुआ खेल रहे 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 8,300 रुपये नगद, 52 पत्ती ताश, 6 मोबाइल और 6 मोटरसाइकिल जब्त की हैं। पुलिस के अनुसार, 19 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दारू भट्टी रोड कुशलनगर में फुलसाय उरांव के बोर घर के पास कुछ लोग ताश के पत्तों से रुपये-पैसे का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही एसडीओपी सारंगढ़ गोविंद सिंह दीवान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर दबिश दी।

**मौके पर जुआ खेलते मिले 8 लोग-**पुलिस की कार्रवाई के दौरान मौके से आठ लोगों को जुआ खेलते पकड़ा गया।

इनमें संजू देवांगन, दुकालू खूटे, आकाश देवांगन, साहेबराम साहनी, ज्योतिष साहनी, फुलसाय उरांव, मोहन भारद्वाज और महेश उर्फ बुच्चा साहनी, सभी निवासी कुशलनगर शामिल हैं। पुलिस ने जुआ फड़ से 8,300 रुपये नगद और 52 पत्ती ताश बरामद की। इसके अलावा मौके पर मिले 6 मोबाइल फोन और 6 मोटरसाइकिलों को भी जब्त किया गया।

**जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई-**सभी आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3(2) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक जिले में जुआ, सट्टा, अवैध शराब और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। इस कार्रवाई में एसडीओपी गोविंद दीवान, थाना प्रभारी प्रमोद यादव सहित थाना सारंगढ़ और पुलिस लाइन के जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# जिले में अवैध शराब के खिलाफपुलिस की कार्रवाई तेज, 4 मामलों में 90.5 लीटर महुआ शराब जब्त..

**सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका**

जिले में अवैध शराब की बिक्री और परिवहन के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। 19 और 20 अगस्त को भटगांव, सारंगढ़ और कोसीर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई करते हुए चार मामलों में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 90.5 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद की गई है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरेन्द्र पटेल और संबंधित एसडीओपी के मार्गदर्शन में की गई।

**भटगांव में दो जगह दबिश, 30 लीटर शराब जब्त-**भटगांव पुलिस ने 20 अगस्त को मुखबिर की सूचना पर ग्राम ठरकपुर और गदहभाठा में अलग-अलग कार्रवाई की। पुलिस ने शराब लेकर जा रहे दो लोगों को पकड़ा। ठरकपुर निवासी गरीब दास, उम्र 45 वर्ष के कब्जे से 20 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 4 हजार रुपये बताई गई है। वहीं गदहभाठा निवासी हलदर निराला, उम्र 59 वर्ष के पास से 10 लीटर महुआ शराब जब्त की गई, जिसकी कीमत करीब 2 हजार रुपये है। दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। न्यायालय में पेश करने के बाद दोनों को न्यायिक रिमांड पर उप जेल सारंगढ़ भेजा गया।

**सारंगढ़ में 10.5 लीटर शराब के साथ एक गिरफ्तार-**सारंगढ़ थाना पुलिस ने भी अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ग्राम मौहाढोढ़ा में एक आरोपी को पकड़ा। पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली थी कि संजीत बरेठ शराब लेकर खर्री से मौहाढोढ़ा की ओर पैदल आ रहा है। मेन रोड पर घेराबंदी कर संजीत बरेठ को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 70 पाउच में कुल 10.5 लीटर कच्ची महुआ शराब मिली। इसकी अनुमानित कीमत करीब 3,500 रुपये बताई गई है। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की और न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।

**कोसीर में घर से मिली 50 लीटर महुआ शराब-**इसी तरह कोसीर थाना पुलिस ने ग्राम लेन्ध्रा छोटे में कार्रवाई कर दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस को सूचना मिली थी कि दो लोग घर में बिक्री के लिए कच्ची महुआ शराब रखे हुए हैं। रेड कार्रवाई के दौरान संदीप निराला, उम्र 20 वर्ष और सुनीता निराला, उम्र 45 वर्ष के कब्जे से कुल 50 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद हुई। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 5 हजार रुपये बताई गई है। दोनों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया।

**अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई जारी-**तीनों थाना क्षेत्रों की कार्रवाई में कुल 90.5 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त की गई और पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि जिले में अवैध शराब की बिक्री और परिवहन पर रोक लगाने के लिए आगे भी इसी तरह कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस ने लोगों से भी अपील की है कि यदि उनके आसपास अवैध शराब की बिक्री या अन्य गैरकानूनी गतिविधियों की जानकारी मिलती है, तो इसकी सूचना पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

# सावन उत्सव के अवसर पर ममता कश्यप ''वीरमाता'' एवं रेखा कश्यप ''करुणा शिरोमणि'' के रुप में सम्मानित

**अम्बिकापुर/मूक पत्रिका**

अंबिकापुर के स्थानीय चम्बोथी स्थित सामुदायिक भवन में कहार समाज (महिला इकाई) जिला सरगुजा के महिलाओं द्वारा सावन उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुरुआत में सर्वप्रथम मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया, इसके पश्चात उपस्थित महिलाओं का स्वागत किया गया। स्वागत के पश्चात सभी महिलाओं के लिए खेल प्रतियोगिता आयोजित की गयी एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन पर सम्मानित किया गया। इसके पश्चात समाजहित में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु लखनपुर निवासी गौतम कश्यप की माता एवं सुदामा कश्यप की धर्मपत्नी ममता कश्यप को इस कार्यक्रम में विशेष रुप से ''वीरमाता' के रुप में सम्मानित किया गया, इनके 30 वर्षीय पुत्र गौतम कश्यप द्वारा समाज के व्यक्ति की जान बचाने के लिए अपना किडनी दान कर दिया है। इनके बाद इमलीपारा अम्बिकापुर निवासी राजू कश्यप की धर्मपत्नी रेखा कश्यप को ''करुणा शिरोमणि'' के रुप में सम्मानित किया गया, इनके द्वारा भी स्वयं का लिवर दान कर जीवन दान देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इन दोनों महिलाओं को कश्यप समाज की महिलाओं द्वारा विशेष रुप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी महिलाओं को श्रृंगार सामग्री वितरण किया गया एवं स्वल्पाहार कराया गया। अंत मे कहार समाज महिला ईकाई विंग जिला सरगुजा की मनोनीत अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद संध्या रवानी द्वारा सभी को अपनी शुभकामनाए दी एवं आगामी माह से प्रत्येक माह इस प्रकार के सामाजिक कार्यक्रम को आयोजित करने की जानकारी दी, जिसका उद्देश्य सामाजिक उत्थान के साथ-साथ समाजहित में कार्य करने वाले उत्कृष्ट व्यक्तियों को सम्मानित करते हुए समाज के उत्थान में कार्य करने हेतु जनजागरुकता अभियान चलाने की बात कही एवं अधिक से अधिक महिलाओं और बेटियों को संगठन से जुडने हेतु आव्हान किया है। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन मनोनित उपाध्यक्ष एवं समाज सेवी साधना कश्यप के द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज की महिलाओं में से संध्या सिंह, मंजू कश्यप, मीरा कश्यप, श्यामा कश्यप, इंदू कश्यप, सुनिता कश्यप, ललिता कश्यप, सुषमा कश्यप, किरण कश्यप, शारदा कश्यप, एकता कश्यप, पुष्पा कश्यप, अर्चना कश्यप, सुम्मी कश्यप, सुभद्रा कश्यप, जुली कश्यप, रेखा कश्यप, ममता कश्यप, मनजोला कश्यप, मंजू कश्यप, सोनिया कश्यप, कविता कश्यप, चन्दा कश्यप, जूही कश्यप, अंजना कश्यप का उत्कृष्ट योगदान प्राप्त हुआ।

उक्ताशय की जानकारी उपाध्यक्ष साधना कश्यप द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दिया गया।

# शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज बेरला में इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित

**बेरला /बेमेतरा/मूक पत्रिका**

बेमेतरा कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अमृतलाल रोहलेडर के निर्देशन में तथा जिला क्षय अधिकारी डॉ राज व खंड चिकित्सा अधिकारी बेरला डॉ. जे के कुंजाम के मार्गदर्शन में इंडक्शन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।उक्त कार्यक्रम में शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज बेरला में नव - प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम 2026- 27 का आयोजन प्राचार्य शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज बेरला तथा डॉ दीक्षा तिवारी व्याख्याता के नेतृत्व में किया गया।जिसमें स्वास्थ्य बेरला से मेडिकल ऑफिसर डॉ. गिरीश कुमार पटेल के द्वारा पीसीआर / फर्स्ट- एड / गैर संचारी रोग/ मलेरिया/ हैजा टाइफाइड / वायरल डिजीज/ बरसात में होने वाले रोगों के बारे में छात्र- छात्रों को विस्तार से जानकारी दिया गया साथ ही डेमो भी बताया गया एवं राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेरला में पदस्थ वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक दिनेश गंगबेर के द्वारा क्षय (टीबी ) रोग के बारे में तथा उनके लक्षण उपचार एवं प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान/ निक्षय -मित्र तथा अन्य बीमारी एवं स्वच्छता से संबंधित संक्षिप्त जानकारी के साथ-साथ टीबी को भारत से मुक्त करने एवं नशा मुक्त के लिए सभी को शपथ दिलायागया, एवं नशे (गुटखा तंबाकू धूम्रपान) से दूर रहने के लिए सभी छात्रों को अपील किया गया,साथ ही ढ्ढष्टञ्जष्ट बेरला से मौसमी टंडन द्वारा एचआईवी/ एड्स के लक्षण एवं उपचार के बारे में जानकारी प्रदान किया गया।इस अवसर पर शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के डॉ जे .एस. बल विभाग अध्यक्ष विभागाध्यक्ष यांत्रिकी,डॉ टी. वी. दीक्षित विभागाध्यक्ष विद्युत, डॉ .दीक्षा तिवारी व्याख्याता अंग्रेजी, एवं विभागीय कर्मचारी व नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

## ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कुसमी ने श्रद्धांजलि सभा के साथ मनाया पूर्व प्रधानमंत्री का जन्मदिवस, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

# राजीव गांधी के जन्मदिवस पर कांग्रेस ने किया पौधरोपण, अस्पताल में मरीजों को बांटे फल

**कुसमी/मूक पत्रिका**

**दुर्गेश गुप्ता ।** भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी का जन्मदिवस ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कुसमी द्वारा श्रद्धा और सेवा भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी के छायाचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया और देश के विकास में उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम की शुरुआत श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने आधुनिक भारत की नींव को मजबूत करने, युवाओं को आगे बढ़ाने और देश को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए। उनके विचार आज भी युवाओं और समाज के लिए प्रेरणादायी हैं।

**स्कूल परिसर में किया पौधरोपण-**जन्मदिवस के अवसर पर बालक उच्चतर माध्यमिक शाला कुसमी परिसर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पौधरोपण किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण और लगातार कम होते हरित क्षेत्र को देखते हुए पौधरोपण केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि लगाए गए पौधों को पेड़ बनने तक उनकी देखभाल करना भी सभी की जिम्मेदारी है।

**अस्पताल पहुंचकर मरीजों का जाना हाल-**कार्यक्रम के अगले चरण में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता कुसमी अस्पताल पहुंचे। यहां भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना गया तथा मरीजों के बीच फल का वितरण किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।इस दौरान सेवा और सामाजिक सरोकार को कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राजीव गांधी की जयंती को केवल श्रद्धांजलि कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए समाजसेवा और जनहित के कार्यो से जोड़ना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

**बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता रहे मौजूद-**कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र भगत, जिला महामंत्री मुज्जसम नजर, मंडल अध्यक्ष खसरू बुनकर, पार्षद अमरनाथ सोनवानी, पार्षद वाहिद अली, वरिष्ठ कांग्रेस नेता फरीद खान, ब्लॉक महामंत्री वेदांत भारती, ब्लॉक महामंत्री सोनू अली, विधानसभा युवा कांग्रेस प्रत्याशी नीतीश तिर्की, गौरव कुजूर, विक्रम गुप्ता, तुलसी सरपंच राजेश सिक्का, महिला कांग्रेस अध्यक्ष फिलोमिना टोप्पो, आबिद अंसारी, पूर्व पार्षद छत्रपति सहित कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाजहित और जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

# डिमरापाल में विकास का संकल्प, ग्राम सभा में सरपंच-सचिव के साथ उपसरपंच और पंचगणो ने भी जताई प्रतिबद्धता

**डिमरापाल /दैनिक मुक पत्रिका**

**निरमनी बघेल**-ग्राम पंचायत डिमरापाल में 20 अगस्त 2026 को आयोजित विशेष ग्राम सभा में ग्रामीणों की भारी उपस्थिति ने गांव के विकास के प्रति उनकी उम्मीद और विश्वास को साफ जाहिर किया। इस अवसर पर सरपंच श्रीराम कश्यप और सचिव सकरू राम कश्यप ने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए पंचायत के विकास कार्यों और आने वाले समय की योजनाओं की जानकारी साझा की।सरपंच श्रीराम कश्यप ने भावुक होकर कहा, ÷यह गांव हमारा अपना परिवार है। गांव की खुशी और तरक्की ही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। हम चाहते हैं कि डिमरापाल का हर परिवार आगे बढ़े, बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले और लोगों को बेहतर पानी, सड़क सहित मूलभूत सुविधाएं मिलें। ग्रामीणों ने हम पर जो विश्वास जताया है, उस विश्वास को कभी टूटने नहीं देंगे।÷उन्होंने कहा कि पंचायत के विकास में ग्रामीणों की सहभागिता सबसे जरूरी है। ÷गांव के विकास का फैसला केवल पंचायत भवन में बैठकर नहीं हो सकता। जब गांव के लोग अपनी समस्या और जरूरतें सामने रखेंगे, तभी हम सही दिशा में काम कर पाएंगे। आप सभी अपनी बात खुलकर ग्राम सभा में रखें, आपकी हर उचित मांग को प्राथमिकता के साथ आगे ले जाने का प्रयास किया जाएगा।÷वहीं सचिव सकरू राम कश्यप ने पंचायत के विकास कार्यों और खर्च का विवरण ग्रामीणों के सामने रखते हुए कहा कि पंचायत में होने वाले हर विकास कार्य की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, ÷पंचायत का पैसा जनता का पैसा है और उसका उपयोग गांव के विकास के लिए ही होना चाहिए। हमारी कोशिश है कि पंचायत के कामों में पारदर्शिता बनी रहे और ग्रामीणों को हर कार्य की जानकारी मिले।

### उपसरपंच उमा पटेल ने कहा-गांव का विकास ही हमारा विकास है

ग्राम सभा में उपसरपंच उमा पटेल ने भी ग्रामीणों के बीच भावुक होकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, ÷यह गांव सिर्फ हमारा कार्यक्षेत्र नहीं, बल्कि हमारा अपना परिवार है। गांव का विकास ही हमारा विकास है और गांव के लोगों की खुशहाली ही हमारी सबसे बड़ी खुशी है। हम चाहते हैं कि डिमरापाल का कोई भी परिवार विकास से पीछे न रहे। हर पारा-मोहल्ले तक विकास की रोशनी पहुंचे और सभी को बराबरी का हक मिले।÷उन्होंने कहा कि पंचायत के सभी जनप्रतिनिधियों को मिलकर गांव के हित में काम करना होगा। ÷हम सबकी जिम्मेदारी है कि ग्रामीणों की आवाज को सुना जाए और उनकी जरूरतों को प्राथमिकता दी जाए। जब हम एकजुट होकर काम करेंगे, तभी हमारा गांव मजबूत और खुशहाल बनेगा।÷

### पंचगणो ने भी कहा-हर पारा-मोहल्ला एक समान, हर परिवार अपना

ग्राम सभा में मौजूद पंचों ने भी विकास को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई। पंचों ने कहा कि गांव के विकास में किसी भी पारा या मोहल्ले को पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए। ÷हमारा सपना है कि डिमरापाल के हर पारा-मोहल्ले का एक समान विकास हो। गांव का हर परिवार हमारा अपना परिवार है। किसी के साथ भेदभाव नहीं, बल्कि जरूरत के आधार पर सभी क्षेत्रों में विकास पहुंचाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।÷पंचों ने कहा कि सड़क, पानी, शिक्षा, नाली, बिजली, रोजगार और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को ग्राम सभा के माध्यम से सामने लाकर उनका समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से भी अपील की कि वे अपनी समस्याओं को खुलकर पंचायत के सामने रखें, ताकि जनभागीदारी के साथ गांव के विकास की मजबूत नींव रखी जा सके। ग्राम सभा में ग्रामीणों ने भी सड़क, पानी, शिक्षा, रोजगार और अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर अपनी उम्मीदें व्यक्त कीं। ग्रामीणों ने सरपंच, उपसरपंच, पंच और सचिव के प्रति विश्वास जताते हुए कहा कि पंचायत और जनता के बीच संवाद और सहयोग इसी तरह बना रहना चाहिए।विशेष ग्राम सभा के दौरान ग्रामीणों की मौजूदगी और उत्साह ने यह संदेश दिया कि डिमरापाल अब केवल विकास की बातें नहीं करना चाहता, बल्कि विकास को अपनी सामूहिक जिम्मेदारी मानकर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। ग्राम सभा में उठी आवाजों में एक ही भावना दिखाई दी-गांव का विकास हो, हर पारा-मोहल्ला आगे बढ़े, हर परिवार खुशहाल हो और आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर डिमरापाल मिले।

# प्रशासन के आश्वासन पर भूख हड़ताल स्थगित, कलेक्टर से चर्चा के बाद तहसीलदार ने मांगों के निराकरण का दिया भरोसा,

**सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका**

**चन्द्रदेव राय व सरपंच विशाल कुमार को जल पिलाकर तुड़वाया अनशन**

14 सूत्रीय जनहित एवं क्षेत्रीय विकास की मांगों को लेकर चल रही भूख हड़ताल गुरुवार को प्रशासन के आश्वासन के बाद फिलहाल स्थगित कर दी गई।सरसीवां तहसीलदार ने कलेक्टर से चर्चा के उपरांत आंदोलनकारियों को मांगों के जल्द निराकरण का भरोसा दिलाया। इसके बाद उन्होंने भूख हड़ताल पर बैठे पूर्व संसदीय सचिव चन्द्रदेव राय एवं सरपंच विशाल कुमार को जल पिलाकर अनशन समाप्त कराया। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, जनप्रतिनिधि व स्कूल के बड़ी संख्या में विद्यार्थी और आंदोलन से जुड़े लोग उपस्थित रहे। आंदोलनकारियों ने कहा कि प्रशासन के सकारात्मक आश्वासन का सम्मान करते हुए फिलहाल भूख हड़ताल स्थगित की गई है। साथ ही स्पष्ट किया कि यदि तय समय-सीमा में मांगों का समाधान नहीं हुआ, तो आगे की रणनीति बनाकर आंदोलन पुनः शुरू किया जाएगा।

# महानदी किनारे पोरथ गांव में हुआ बाढ़ आपदा का मॉक ड्रिल, तैयारियों को परखा..

**सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका**

बरसात के मौसम में बाढ़ जैसी आपदा से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए सरिया तहसील के ग्राम पोरथ में महानदी किनारे बाढ़ आपदा का मॉक ड्रिल आयोजित किया गया। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा कराए गए इस अभ्यास में अलग-अलग विभागों की टीमों ने हिस्सा लिया।मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य बाढ़ की स्थिति में राहत और बचाव कार्य कितनी तेजी और बेहतर तरीके से किया जा सकता है, इसे मौके पर परखना था। इस दौरान महानदी तट पर नाव, बचाव सामग्री और अन्य जरूरी संसाधनों के साथ होमगार्ड के जवान मौजूद रहे। स्थानीय लोगों को भी इस अभ्यास से जोड़ा गया।

**अलग-अलग विभागों ने निभाई अपनी जिम्मेदारी**-मॉक ड्रिल में पुलिस, राजस्व, स्वास्थ्य, कृषि, पशुपालन, विद्युत, जनसंपर्क, दूरसंचार और खुफिया विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। सभी विभागों ने बाढ़ की स्थिति में अपनी-अपनी जिम्मेदारियों के अनुसार राहत और बचाव कार्य का अभ्यास किया। अभ्यास के दौरान यह भी दिखाया गया कि बाढ़ में घायल होने वाले लोगों को किस तरह प्राथमिक उपचार के बाद जरूरत पड़ने पर बड़े अस्पताल में रेफर किया जाएगा। इससे आपदा के समय स्वास्थ्य विभाग और अन्य बचाव दल के बीच बेहतर समन्वय बनाने की तैयारी को भी परखा गया।

**नाव और बचाव दल के साथ हुआ अभ्यास**-महानदी में अचानक जलस्तर बढ़ने या आसपास के गांवों में बाढ़ की स्थिति बनने पर लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने में नाव और प्रशिक्षित बचाव दल की अहम भूमिका होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए मौके पर नाव और आवश्यक बचाव सामग्री रखी गई। होमगार्ड जवानों ने बचाव कार्य से जुड़ी गतिविधियों का अभ्यास किया। मॉक ड्रिल के दौरान स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों और विभागों के बीच आपसी तालमेल को भी देखा गया, ताकि वास्तविक बाढ़ की स्थिति में राहत कार्य में देरी न हो।

**अधिकारियों ने लिया जायजा**-मौके पर कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, एसडीएम उमेश साहू और बाढ़ राहत की नोडल अधिकारी वर्षा बंसल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने पूरे अभ्यास का जायजा लिया और बाढ़ की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य को लेकर जरूरी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। महानदी किनारे बसे गांवों में बरसात के दौरान बाढ़ का खतरा बना रहता है। ऐसे में इस तरह के मॉक ड्रिल से प्रशासन को अपनी तैयारियों की वास्तविक स्थिति समझने और जरूरत के समय आने वाली कमियों को पहले से दूर करने का मौका मिलता है।प्रशासन की कोशिश है कि बाढ़ जैसी आपदा के समय लोगों को जल्द से जल्द सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा सके और राहत, स्वास्थ्य, बिजली, संचार तथा अन्य जरूरी सेवाओं को व्यवस्थित तरीके से संचालित किया जा सके।

# जिला प्रशासन की निगरानी में पारदर्शी तरीके से हो रही राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की भर्ती

### 33 पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी, 8 पदों की कौशल परीक्षा पूरी; 21 और 22 अगस्त को 10 पदों के लिए होगी परीक्षा

**बीजापुर/मूक पत्रिका**

शासन की प्राथमिकता के अनुरूप जिले के सुदूर एवं दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग बीजापुर अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से 33 पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। भर्ती की संपूर्ण प्रक्रिया जिला प्रशासन की निगरानी में निर्धारित भर्ती नियमों का पालन करते हुए पारदर्शी तरीके से संपन्न की जा रही है। भर्ती प्रक्रिया के तहत जिले में अब तक 08 पदों के लिए कौशल परीक्षा पूर्ण की जा चुकी है। आगामी 21 अगस्त 2026 को 05 पदों-फीडिंग डेमॉन्स्ट्रेटर, लैब टेक्नीशियन, आरबीएसके एमओ एवं फिजियोथेरेपिस्ट-के लिए कौशल परीक्षा आयोजित की जाएगी। वहीं 22 अगस्त 2026 को 05 पदों-डेंटल सर्जन, टेक्निकल असिस्टेंट हियरिंग इम्पेयर्ड चिल्ड्रन, पीएडीए, सेक्रेटेरियल असिस्टेंट एवं टेक्निकल असिस्टेंट ऑडियोमेट्रिक-के लिए कौशल परीक्षा आयोजित होगी।भर्ती प्रक्रिया जिला पंचायत की सीईओ नम्रता चौबे के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में संचालित की जा रही है। इसके साथ ही डिप्टी कलेक्टर श्री मयंक मंडावी तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भर्ती प्रक्रिया की सतत निगरानी कर रहे हैं। इसका उद्देश्य चयन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप संपन्न कराना है।राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत इन पदों पर चयनित प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की सेवाओं से जिले के सुदूर एवं दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। इससे नागरिकों को उनके घर के निकट बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। साथ ही जिले के शिक्षित एवं योग्य नवयुवाओं को रोजगार के नए अवसर भी प्राप्त होंगे। जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि भर्ती प्रक्रिया में पात्र एवं योग्य अभ्यर्थियों को समान अवसर प्रदान करते हुए पारदर्शी तरीके से चयन सुनिश्चित किया जाए। इससे जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता दोनों में निरंतर सुधार लाने में मदद मिलेगी।

### नक्सली हिंसा से प्रभावित 8 पीड़ितों को 40 लाख की सहायता,पुनर्वास नीति के तहत प्रत्येक को 5 लाख रुपए, आधी राशि खाते में और बाकी 3 साल की एफडी में

**बीजापुर/आशीष पदमवार।** नक्सली हिंसा से प्रभावित 8 पीड़ितों के लिए जिला प्रशासन ने कुल 40 लाख रुपए की आर्थिक सहायता मंजूर की है। कलेक्टर विश्वदीप ने पुनर्वास नीति के तहत प्रत्येक लाभार्थी को 5-5 लाख रुपए देने की स्वीकृति दी है। इनमें मृतकों के निकटतम वारिस और एक स्थायी रूप से असमर्थ व्यक्ति शामिल हैं।सहायता राशि का 50 प्रतिशत लाभार्थियों के बैंक खाते में डीबीटी से जमा होगा, जबकि बाकी 50 प्रतिशत राशि तीन साल के लिए एफडी में रखी जाएगी। एफडी पर मिलने वाला तिमाही ब्याज खाते में जमा होगा और तीन साल बाद मूल राशि भी लाभार्थी को मिल जाएगी। जिला प्रशासन के अनुसार इस सहायता का उद्देश्य नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों को आर्थिक संबल देना और उन्हें सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन की ओर आगे बढ़ने में मदद करना है।

# पुसल्दा स्कूल में पॉलीथिन का 'सहारा', फिर भी छत नहीं रोक पा रही बारिश, बच्चों की सुरक्षा भगवान भरोसे!

**रायगढ़ /मूक पत्रिका**

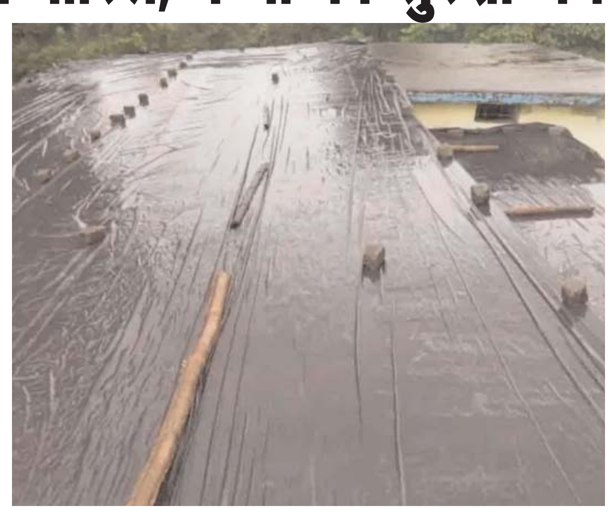

सरकारी स्कूलों में बच्चों को सुरक्षित और बेहतर शिक्षा देने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन घरघोड़ा क्षेत्र के पुसल्दा गांव की प्राथमिक शाला और मिडिल स्कूल की तस्वीर इन दावों पर पानी फेरती नजर आ रही है। यहां बारिश से बचाने के लिए स्कूल की छत पर पॉलीथिन का सहारा लिया गया है, लेकिन विडंबना देखिए पॉलीथिन भी बारिश का पानी रोकने में नाकाम साबित हो रही है। बारिश होते ही स्कूल की छतों से पानी टपकने लगता है। कक्षाओं के भीतर जगह-जगह पानी गिरने से बच्चों और शिक्षकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि पढ़ाई से ज्यादा चिंता इस बात की रहती है कि कहीं छत से कोई हिस्सा टूटकर नीचे न आ जाए। स्कूल में बच्चों को किताब-कॉपी लेकर पढने के लिए भेजा जाता है, लेकिन बारिश के मौसम में उन्हें शायद यह भी सीखना पड़ रहा है कि छत से टपकते पानी से अपनी कॉपियां कैसे बचाई जाएं। कहीं फर्श गीला है तो कहीं पानी रोकने के लिए बर्तन और अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब स्कूल की छत की हालत इतनी खराब है तो आखिर जिम्मेदारी किसकी है? क्या बच्चों की सुरक्षा का जिम्मा सिर्फ स्कूल के शिक्षकों का है? क्या बारिश खत्म होने का इंतजार किया जाएगा या फिर किसी हादसे के बाद जिम्मेदार जागेंगे?सरकारी योजनाओं में करोड़ों रुपये के विकास की बातें होती हैं, लेकिन पुसल्दा के स्कूल में विकास का 'मॉडल' फिलहाल पॉलीथिन के रूप में दिखाई दे रहा है। सवाल यह भी है कि अगर पॉलीथिन ही स्कूल की छत की सुरक्षा का इंतजाम है तो फिर पक्की मरम्मत और भवन रखरखाव के लिए जिम्मेदार विभाग आखिर क्या कर रहा है?बारिश हर साल आती है, स्कूल भी हर साल खुलता है और बच्चों की जान भी उतनी ही कीमती है। फिर भी अगर छत की मरम्मत के लिए किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है तो यह व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पुसल्दा के ग्रामीणों और अभिभावकों की मांग है कि संबंधित विभाग तत्काल स्कूल भवन का निरीक्षण कराए और जर्जर छत की स्थायी मरम्मत कराई जाए। साथ ही जब तक भवन सुरक्षित घोषित नहीं होता, तब तक बच्चों की सुरक्षा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए।

**वैदेही मानस मंडली के तत्वावधान में तहसील मानस संघ नवागढ़ का आयोजन - 55 वर्षों से अनवरत प्रवाहित हो रही मानस साधना की परंपरा**

# गोपाल भैना में श्रद्धा, भक्ति और साहित्य की त्रिवेणी के बीच धूमधाम से मनाया गया तुलसी जन्मोत्सव

### हर घर में रामायण का एक मंदिर हो - देवलाल सिन्हा

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

**गोपाल भैना।** गोस्वामी तुलसीदास जी के पावन जन्मोत्सव के अवसर पर ग्राम गोपाल भैना में भक्ति, साहित्य, संस्कार और लोकमंगल की भावधारा से ओतप्रोत भव्य समारोह का आयोजन किया गया। वैदेही मानस मंडली गोपाल भैना के तत्वावधान एवं तहसील मानस संघ नवागढ़ के सहयोग से आयोजित यह समारोह अपनी 55 वर्षों से अनवरत चली आ रही परंपरा के कारण मानस-जगत में विशेष महत्व रखता है। तुलसी जन्मोत्सव के इस पावन अवसर पर ग्राम का वातावरण श्रीरामचरितमानस की चौपाइयों, भक्ति-संगीत और रामनाम की मधुर ध्वनि से आध्यात्मिक आभा से आलोकित रहा। श्रद्धालुओं एवं मानस प्रेमियों ने गोस्वामी तुलसीदास जी के चरणों में श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए उनके साहित्यिक एवं आध्यात्मिक अवदान का स्मरण किया।

**÷हर घर में रामायण का एक मंदिर हो÷ — देवलाल सिन्हा**-समारोह को संबोधित करते हुए मा भद्रकाली जिला मानस संघ बेमेतरा के अध्यक्ष देवलाल सिन्हा ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने श्रीरामचरितमानस के माध्यम से भारतीय संस्कृति, लोकमंगल और जीवन-मूल्यों को जन-जन की चेतना से जोड़ा। मानस केवल काव्य का ग्रंथ नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन की अमूल्य धरोहर और संस्कारों की अक्षय निधि है। उन्होंने कहा कि-÷हर घर में रामायण का एक मंदिर होना चाहिए। श्रीरामचरितमानस को केवल पूजा के स्थान पर रखने वाला ग्रंथ न मानकर, जीवन के प्रत्येक सोपान पर मार्गदर्शन देने वाला दिव्य आलोक बनाना होगा। जिस घर में रामायण की चौपाइयां गूंजती हैं, वहां संस्कारों की सरिता प्रवाहित होती है, सद्भाव का दीप प्रज्वलित होता है और आध्यात्मिक चेतना का उदय होता है।÷ उन्होंने कहा कि आज के परिवेश में नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और जीवन-मूल्यों से जोड़ने के लिए मानस के संदेश को घर-घर पहुंचाना समय की महती आवश्यकता है। रामायण घर की शोभा नहीं, परिवार के संस्कारों की आधारशिला बने-यही तुलसी जन्मोत्सव की सार्थकता है।

**महेश साहू ने रखी तहसील मानस संघ की गतिविधियों की रूपरेखा**-सभा को महेश साहू, अध्यक्ष तहसील मानस संघ नवागढ़ ने भी संबोधित किया। उन्होंने संघ द्वारा मानस के प्रचार-प्रसार, मंडलियों के प्रोत्साहन तथा आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के विस्तार की जानकारी मंच से साझा की। उन्होंने कहा कि मानस मंडलियां समाज में भक्ति के साथ-साथ सदाचार, समरसता और सांस्कृतिक चेतना के संवाहक की भूमिका निभा रही हैं।

**सात मानस पितामहों को श्री तुलसी सेवा सम्मान**-तुलसी जन्मोत्सव समारोह में मानस साहित्य एवं श्रीरामकथा के प्रति दीर्घकालीन समर्पण, साधना और सेवा के लिए सात मानस साधकों को ÷श्री तुलसी सेवा सम्मान एवं श्री तुलसी अलंकरण÷ से सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वालों में रामदास मानिकपुरी, झम्मन जायसवाल, भागीरथी ध्रुव, राम जी निषाद, बिंदाराम साहू, धुरवा राम साहू एवं अजय भुवाल शामिल रहे। इन मानस साधकों का सम्मान वस्तुतः उन समर्पित साधना-पुरुषों का अभिनंदन था, जिन्होंने अपनी वाणी, साधना और सतत सेवा से मानस की ज्योति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी प्रज्वलित रखा है।

**मानस मंडलियों की प्रस्तुतियों ने बांधा भक्तिरस का समां**-समारोह में विभिन्न मानस मंडलियों द्वारा भावपूर्ण एवं भक्तिमय प्रस्तुतियां दी गई। वैदेही मानस मंडली गोपाल भैना, जिसके संस्थापक स्व. डॉ. गजानंद सिंह भुवाल रहे और अध्यक्ष धुरवा राम साहू हैं, ने अपनी प्रस्तुति से आयोजन को गरिमा प्रदान की। इसी क्रम में ममता बालिका मानस मंडली नवागढ़ ने रामदास गुरुजी एवं श्री झम्मन जायसवाल के मार्गदर्शन में तथा नवदीप बालिका मानस मंडली अंबागढ़ चौकी ने हेमलता साहू के नेतृत्व में अपनी भावपूर्ण प्रस्तुतियां दीं। बालिकाओं की प्रस्तुतियों ने यह संदेश दिया कि मानस की अमर परंपरा नई पीढ़ी के हृदय में भी उतनी ही श्रद्धा और ऊर्जा के साथ प्रवाहित हो रही है।

**गरिमामयी उपस्थिति ने बढ़ाई समारोह की शोभा**-कार्यक्रम में उद्घाटन अवसर पर धनेश्वरी अजीत साहू, सरपंच कमल प्रसाद साहू, महेश साहू, नरेंद्र जायसवाल एवं लता निषाद सहित अनेक गणमान्य नागरिक, मानस साधक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन भीखम देवांगन, कल्याणी सेन, सनत साहू, जितेंद्र साहू एवं हरिराम साहू ने किया।

**जिला मानस संघ के पदाधिकारी एवं मानस साधकों की रही सहभागिता**-समारोह में मा भद्रकाली जिला मानस संघ बेमेतरा से उपाध्यक्ष माखन साहू, पूर्व तहसीलदार माधवराम साहू, संरक्षक राजकुमार ताम्रकार, विष्णु साहू, बिहारी लाल यदु, धनेश वर्मा, शालिकराम साहू, चेतन साहू, ओम यदु, सीताराम यदु, डॉ. ईश्वर सिन्हा, तानेश्वर साहू कल्याणी सेन मदनलाल सिन्हा, नोहरदास मानिकपुरी, सनतराम साहू, चंद्रभान ध्रुव, जनकराम साहू, डॉ. ललित साहू, बलराम साहू, श्रीराम साहू एवं संतोष सिन्हा सहित मानस परिवार के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

**तुलसी की वाणी से घर-घर संस्कारों का दीप प्रज्वलित करने का संकल्प**-तुलसी जन्मोत्सव का यह समारोह केवल उत्सव की औपचारिकता नहीं, बल्कि मानस की लोकयात्रा को निरंतर गतिमान रखने और तुलसी की वाणी को जन-जन के जीवन से जोड़ने का जीवंत संकल्प बना। समारोह ने यह संदेश दिया कि जब रामकथा घर-घर पहुंचेगी, तब संस्कारों की सुगंध समाज में फैलेगी; जब मानस की चौपाइयां जीवन में उतरेंगी, तब मर्यादा और मानवीय मूल्यों का पुनर्जागरण होगा।

# संपादकीय

## रेलवे स्टेशनों के पानी में मिले ज़हरीले बैक्टीरिया, यात्रियों की सेहत से खिलवाड़

रेलवे स्टेशनों से लेकर ट्रेन में सफर के दौरान परोसे या बेचे जाने वाले खानपान की घटिया गुणवत्ता के मामले अक्सर सामने आते रहे हैं। मगर कैग की रिपोर्ट में पीने के पानी में भी जिस तरह की गड़बड़ी बताई गई है, उससे व्यापक लापरवाही का ही पता चलता है।गौरतलब है कि हाल ही में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की एक रिपोर्ट में ये तथ्य सामने आए कि देश के कई रेलवे स्टेशनों के पानी में ई-कोलाई और कोलीफार्म जैसे जीवाणु पाए गए हैं। इस दौरान पांच सौ बारह स्टेशनों की जांच में चार सौ अट्ठावन पर जरूरी यात्री सुविधाओं की कमी मिली।रेल महकमा समय-समय पर किराया बढ़ाने को लेकर तो जरूरत से ज्यादा सजग दिखता है, लेकिन स्वच्छ पेयजल जैसी सबसे जरूरी चीज की भी उपलब्धता सुनिश्चित करने की उसे शायद कोई फिक्र नहीं है। लोगों को या तो स्टेशन पर लगे नल से असुरक्षित पानी पीना पड़ता है या फिर बोतलबंद पानी खरीदना पड़ता है।अब भले रेलवे ने पेयजल की गुणवत्ता सुधारने की बात कही है, लेकिन यह कब संभव होगा, यह देखने की बात होगी। यह जगजाहिर तथ्य है कि ट्रेन से अपने गंतव्य के लिए निकले लोग कई बार एक या दो दिन की लंबी यात्रा भी करते हैं। इस दौरान पानी न मिलने या फिर दूषित पेयजल की वजह से लोगों की सेहत बिगड़ने के मामले जब-तब सामने आते रहते हैं।सवाल है कि अगर टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को स्वच्छ पेयजल जैसी सबसे बुनियादी चीज भी मुश्किल से मिल पाती है, तो सरकार किस भरोसे भारतीय रेल को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने के दावे करती रहती है! कुछ महंगी और अति-महत्त्वपूर्ण मानी जाने वाली ट्रेनों को छोड़ दें, तो क्या साधारण लोगों के लिए भी रेल यात्रा उतनी ही सहज या सुकूनदेह रह गई है?ट्रेन में सीट पर आराम से बैठ कर यात्रा कर पाना जहां चुनौती बन चुकी है, वहीं सफर के दौरान खाने-पीने का सामान कैसा मिलता है, यह अब कोई छिपी हकीकत नहीं रह गई है। मगर सबसे बुनियादी चीज- पीने के पानी तक की हालत अगर ऐसी है कि ज्यादातर स्टेशनों पर लगे नले से दूषित पेयजल मिलता है, तो इससे उपजे जोखिम के लिए कौन जिम्मेदार है?

# पीएम मोदी का लालकिले से विकसित भारत का संकल्प

(अशोक भाटिया )

इस व्यापक संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए देश के चार प्रमुख वर्गों को विकास का मुख्य केंद्र बिंदु बनाया गया है, जिन्हें युवा, महिला, किसान और गरीब के रूप में रेखांकित किया गया है। इन चारों स्तंभों के समग्र सशक्तिकरण के बिना किसी भी विकसित समाज की कल्पना नहीं की जा सकती।

ऐतिहासिक लालकिले की प्राचीर केवल पत्थरों की एक संरचना नहीं है, बल्कि यह स्वतंत्र भारत के उतार-चढ़ाव, उसकी आकांक्षाओं, उसकी नियति और उसके सामूहिक संकल्पों की मूक गवाह रही है। हर वर्ष 15 अगस्त को इस प्राचीर से देश के प्रधानमंत्री जब राष्ट्र को संबोधित करते हैं, तो वह केवल एक औपचारिक भाषण नहीं होता, बल्कि वह आने वाले समय के लिए देश का नीतिगत और वैचारिक रोडमैप होता है। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी ऐतिहासिक प्राचीर से वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का जो अटूट संकल्प दोहराया है, वह देश की समकालीन राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज के लिए एक युगांतकारी मोड़ है। विकसित भारत का यह विजन महज़ एक राजनीतिक नारा नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ नागरिकों की सामूहिक चेतना को जगाने और उन्हें राष्ट्र निर्माण के एक महायज्ञ में आहुति देने के लिए प्रेरित करने वाला एक व्यापक राष्ट्रीय दर्शन है। जब हम इस विराट संकल्प की बात करते हैं, तो हमें इसके ऐतिहासिक संदर्भ और प्रासंगिकता को गहराई से समझना होगा। भारत ने लगभग दो सदियों तक औपनिवेशिक दासता और आर्थिक शोषण का दंश झेला है। 1947 में जब देश स्वतंत्र हुआ, तब हमारी अर्थव्यवस्था जर्जर थी, साक्षरता दर दयनीय थी और अकाल तथा गरीबी जैसी बुनियादी चुनौतियां हमारे सामने थीं। शुरुआती दशकों में भारत का मुख्य ध्यान आत्मनिर्भरता और बुनियादी अस्तित्व की रक्षा पर था। हमने खाद्यान्न संकट से निपटने के लिए हरित क्रांति की, अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए सैन्य तंत्र को मजबूत किया और धीरे-धीरे एक ठोस औद्योगिक आधार तैयार किया। आज, स्वतंत्रता के इस दौर में, भारत उस स्थिति से बहुत आगे निकल चुका है और अब हम केवल एक अस्तित्व बनाए रखने वाले देश नहीं हैं, बल्कि हम वैश्विक पटल पर एक नई दिशा तय करने वाले राष्ट्र बन चुके हैं। यह संकल्प इस बात का प्रतीक है कि अब भारत अपनी विकासशील छवि के खोल को तोड़कर वैश्विक शक्तियों की अग्रिम पंक्ति में खड़े होने के लिए पूरी तरह तैयार है। 2047 का वर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारी स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष होगा, और कोई भी राष्ट्र अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर दुनिया के सामने अपनी सफलता का क्या प्रमाण प्रस्तुत करता है, यही उसका वास्तविक ऐतिहासिक मूल्यांकन होता है।

इस व्यापक संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए देश के चार प्रमुख वर्गों को विकास का मुख्य केंद्र बिंदु बनाया गया है, जिन्हें युवा, महिला, किसान और गरीब के रूप में रेखांकित किया गया है। इन चारों स्तंभों के समग्र सशक्तिकरण के बिना किसी भी विकसित समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। भारत आज दुनिया का सबसे युवा देश है और हमारी जनसांख्यिकीय लाभांश हमारी सबसे बड़ी ताकत है। विकसित भारत का सपना तभी सच हो सकता है जब इस युवा ऊर्जा को सही दिशा, उत्कृष्ट शिक्षा और वैश्विक स्तर का कौशल मिले। देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम का तेजी से विस्तार और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाना इसी दिशा में उठाए गए बड़े कदम हैं। इसके साथ ही, विकसित भारत का दूसरा अनिवार्य पहलू महिलाओं का सशक्तिकरण और उनके नेतृत्व में होने वाला विकास है। जब तक देश की आधी आबादी आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से

पूरी तरह सक्रिय नहीं होगी, तब तक विकास की रफ्तार अधूरी रहेगी। सेनाओं में महिलाओं की भागीदारी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होती महिलाओं की बढ़ती संख्या इस बात का प्रमाण है कि वे अब नीति निर्धारण के केंद्र में आ रही हैं। इसी तरह, भारत की आत्मा आज भी गांवों में बसती है और हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि है। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कृषि क्षेत्र में तकनीकी सुधार, आधुनिक खेती को बढ़ावा और वैश्विक कृषि आपूर्ति श्रृंखला में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना आवश्यक है। किसान जब पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर आधुनिक कृषि-उद्यमी बनेगा, तभी ग्रामीण भारत समृद्ध होगा। अंत में, अंत्योदय की भावना के अनुरूप समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचना चाहिए, क्योंकि किसी भी राष्ट्र को तब तक विकसित नहीं कहा जा सकता जब तक कि बहुआयामी गरीबी का पूरी तरह उन्मूलन न हो जाए और हर नागरिक को सम्मानजनक जीवन स्तर न मिल जाए।

आर्थिक मोर्चे पर, भारत आज दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और शीर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की ओर अग्रसर है। लेकिन विकसित देश बनने के लिए हमें केवल सकल घरेलू उत्पाद के आकार को ही नहीं बढ़ाना है, बल्कि प्रति व्यक्ति आय और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में भी गुणात्मक सुधार करना होगा। इसके लिए विनिर्माण और आत्मनिर्भरता पर विशेष बल देना आवश्यक है। मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारत आज मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, रक्षा उत्पादन और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है। रक्षा क्षेत्र में, जहां कभी हम पूरी तरह आयातों पर निर्भर थे, आज हम स्वदेशी अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों का निर्माण कर रहे हैं और उनका निर्यात भी बढ़ा रहे हैं। भारतीय कॉर्पोरेट जगत को अब वैश्विक कंपनियों की तर्ज पर अपनी क्षमता का विस्तार करना होगा ताकि भारतीय ब्रांड दुनिया भर के बाजारों में अग्रणी भूमिका निभा सकें। इसके साथ ही, देश के बुनियादी ढांचे का कायाकल्प किया जा रहा है। आधुनिक रेलवे, एक्सप्रेसवे का विस्तृत नेटवर्क, जलमार्गों का विकास और हवाई अड्डों का आधुनिकीकरण देश की लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने और व्यापार को सुगम बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एक मजबूत और आधुनिक बुनियादी ढांचा ही विकसित भारत की ठोस नींव बनेगा, जो देश के औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगा।

तकनीक और नवाचार के इस युग में जो देश अग्रणी रहेगा, वही दुनिया के भविष्य को दिशा देगा। भारत ने डिजिटल क्षेत्र में जो क्रांति की है, उसने दुनिया के विकसित देशों को भी अचंभित किया है। हमारा डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल लेनदेन की व्यवस्था आज वैश्विक स्तर पर एक मिसाल बन चुकी है। भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं है, बल्कि वह विश्व को सस्ती, सुरक्षित और समावेशी तकनीक देने वाला प्रदाता भी है। विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में बढ़ता निवेश इस विजन को और स्पष्ट करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर मिशन, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष अनुसंधान और ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में भारत का बढ़ता कदम यह दर्शाता है कि हम भविष्य की तकनीकों के मामले में दुनिया के अग्रणी देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर और संप्रभु होना विकसित भारत की एक अनिवार्य शर्त है, जो हमें वैश्विक मंच पर एक अद्वितीय पहचान दिलाएगी।

संकल्प जितना विराट होता है, उसकी राह की चुनौतियां भी उतनी ही कठिन होती हैं। विकसित भारत के मार्ग में कई आंतरिक और बाह्य चुनौतियां हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश की आर्थिक प्रगति के साथ-साथ क्षेत्रीय और सामाजिक असमानता को पाटना एक बड़ी चुनौती है। विकास का लाभ समाज के हर वर्ग और देश के हर कोने तक समान रूप से पहुंचना चाहिए। इसके अलावा, भारत को पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के बीच एक कुशल संतुलन बनाना होगा। जलवायु परिवर्तन के खतरों को देखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना और सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करना युद्धस्तर पर आवश्यक है। प्रशासनिक स्तर पर, हमारी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-अनुकूल बनना होगा, क्योंकि लालफीताशाही और भ्रष्टाचार विकास की गति को धीमा करते हैं। वैश्विक मोर्चे पर, वर्तमान समय की भू-राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक व्यवधान भी हमारे सामने चुनौतियां खड़ी करते हैं, जिनसे निपटने के लिए भारत को अपनी कूटनीतिक कुशलता और आंतरिक आर्थिक सुदृढ़ता को निरंतर मजबूत बनाए रखना होगा।

इस पूरे महायज्ञ में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका देश के नागरिकों की है। कोई भी देश केवल सरकार की नीतियों, बजट या घोषणाओं से विकसित नहीं बनता। सरकार मार्ग प्रशस्त कर सकती है, बुनियादी ढांचा दे सकती है, लेकिन उस पर चलकर देश को आगे ले जाने का काम नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से ही संभव होता है। विकसित भारत का संकल्प तब तक अधूरा है जब तक देश का हर नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह सजग नहीं होता। चाहे वह करों का ईमानदारी से भुगतान करना हो, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना हो, पर्यावरण को बचाना हो, या फिर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में पूर्ण ईमानदारी और उत्कृष्टता के साथ योगदान देना हो–ये सभी नागरिक प्रयास मिलकर एक विशाल राष्ट्रीय शक्ति का निर्माण करते हैं। जब देश के नागरिक राष्ट्र प्रथम की भावना को अपने जीवन का मूल मंत्र बना लेंगे, तो भारत की प्रगति को कोई रोक नहीं पाएगा। निष्कर्षतः विकसित भारत का संकल्प केवल आर्थिक आंकड़ों या ऊंची इमारतों तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ एक ऐसे भारत का निर्माण करना है जो आर्थिक रूप से समृद्ध हो, तकनीकी रूप से अग्रणी हो, सामाजिक रूप से समरस और न्यायपूर्ण हो, और सांस्कृतिक रूप से अपनी समृद्ध जड़ों से जुड़ा हुआ हो। यह एक ऐसे भारत का सपना है जहां हर नागरिक को समान अवसर, उत्कृष्ट शिक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा मिले।

# विभाजन विभीषिका- हिन्दू नरसंहार की मर्मांतक दास्तां

(कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल)

हमें ये जानना ज़रूरी है कि उस समय भारत विभाजन के लिए किस प्रकार से अंग्रेज अपनी चाल चल रहे थे? मुस्लिम लीग किस प्रकार से दंगों के आतंकी क्रूर चेहरे के रूप में उभर रही थी? कैसे पंडित नेहरू मुस्लिम लीग की ज़िद के आगे घुटने टेक रहे थे? दरअसल, भारत विभाजन को लेकर

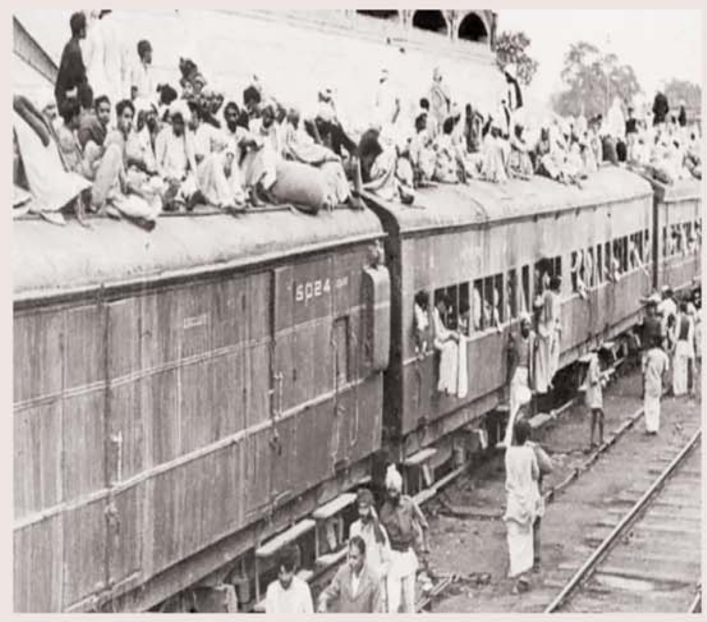

जब अंग्रेजों ने पटकथा रची तो वो हर वो दांव-पेंच आजमा रहे थे।

भारत 15 अगस्त 1947 को स्वाधीन हुआ लेकिन स्वाधीनता के साथ विभाजन की वीभत्स त्रासदी ने राष्ट्र को कभी न भर पाने वाले असह्य घाव दिए। उस समय हुए हिन्दुओं के नरसंहार और उसकी पीड़ा से पूरा देश कांप गया। जिसकी मर्मांतक चीखें अब भी सुनाई देती हैं।अतीत को जानना आवश्यक हो जाता है।आइए इतिहास के पन्ने पलटते हैं। हमें ये जानना ज़रूरी है कि उस समय भारत विभाजन के लिए किस प्रकार से अंग्रेज अपनी चाल चल रहे थे? मुस्लिम लीग किस प्रकार से दंगों के आतंकी क्रूर चेहरे के रूप में उभर रही थी? कैसे पंडित नेहरू मुस्लिम लीग की ज़िद के आगे घुटने टेक रहे थे? दरअसल, भारत विभाजन को लेकर जब अंग्रेजों ने पटकथा रची तो वो हर वो दांव-पेंच आजमा रहे थे। जो कि उनके मंसूबों को पूरा कर सके। उस समय पंडित जवाहरलाल नेहरू, भारत विभाजन के लिए आए माउंटबेटन और उसकी पत्नी एडविना के साथ 10 मई 1947 से कई दिनों तक शिमला में पार्टियां कर रहे थे। इतना ही नहीं माउंटबेटन ने एलिजाबेथ द्वारा दी गई महंगी कार रोल्स रॉयल्स पंडित नेहरू को दी थी। नेहरू इसी में यात्राएं करते थे। फिर शिमला में माउंटबेटन -नेहरू और एडविना की छुट्टियों के दौरान ही माउंटबेटन के भारत विभाजन संबधी मसौदे को पंडित नेहरू ने स्वीकार कर लिया था। इससे संबंधित घटनाक्रमों का सविस्तार वर्णन तत्कालीन ब्रिटिश पत्रकार और इतिहासकार लियोनार्ड मोसली ने अपनी पुस्तक  द लास्ट डेज ऑफ द ब्रिटिश राज में किया है। यानी भारत विभाजन के लिए मुस्लिम लीग और जिन्ना तो उतावले थे ही साथ ही पंडित नेहरू की भी भूमिका संदिग्ध और विभाजन के पक्ष में ही स्पष्ट प्रतीत होती है।

उस समय कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा भारत विभाजन की माउंटबैटन योजना को स्वीकार करने की तैयारियों का महात्मा गांधी ने भी विरोध किया था। लेकिन उनकी आगे नहीं चली और 3 जून 1947 को पंडित नेहरू की अगुवाई में कांग्रेस ने अंग्रेजों के विभाजन प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। उन्होंने इस सन्दर्भ में मनु गांधी से 1 जून 1947 को चर्चा की थी। मनु को अपने दिल की बात कहते हुए महात्मा गांधी ने बताया– आज मैं अपने को अकेला पाता हूँ। लोगों को लगता है कि मैं जो सोच रहा हूँ वह एक भूल है। भले ही मैं कांग्रेस का चवन्नी का सदस्य नहीं हूँ लेकिन वे सब लोग मुझे पूछते है, मेरी सलाह लेते है। आजादी के कदम उलटे पड़ रहे हैं, ऐसा मुझे लगता है। हो सकता है आज इसके परिणाम तत्काल दिखाई न दे, लेकिन हिन्दुस्तान का भविष्य मुझे अच्छा नहीं दिखाई देता। हिन्दुस्तान की भावी पीढ़ी की आह मुझे न लगे कि हिंदुस्तान के विभाजन में गांधी ने भी साथ दिया था। (गांधी सम्पूर्ण वांग्मय, खंड 88, पृष्ठ 43-44)।

# अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष 2026- 79 प्रतिशत योगदान, फिर भी जमीन के हक से दूर महिला किसान

( मनीष अग्रहरि)

अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष 2026- देश में 75 प्रतिशत कृषि कार्य महिलाओं द्वारा किए जाने के बावजूद मात्र 14 प्रतिशत भूमि पर उनका मालिकाना हक है। इस लैंगिक असमानता को दूर कर महिला किसानों को पहचान, भूमि अधिकार, वित्तीय लाभ व उचित सम्मान देना अनिवार्य है।

संयुक्त राष्ट्र ने महिलाओं के कृषि एवं बागवानी के कार्यों में महत्त्व को मान्यता देने और लैंगिक असमानता को खत्म करने के लिए वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष के रूप में मनाए जाने की घोषणा की है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, देश में महिलाओं की आबादी 48.4 फीसद है, इसके बावजूद खेती और बागवानी में उनकी आधे से भी अधिक की भागीदारी है।

ग्रामीण महिलाएं दैनिक श्रमसाध्य पारिवारिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के साथ-साथ बागवानी से जुड़े कार्यों में 79 फीसद तथा खेती में लगभग 75 फीसद सक्रिय हिस्सेदारी करती हैं, फिर भी यह कटु सत्य है कि किसान तो पुरुष ही कहलाता है। जब भी किसान की बात आती है, तो हम सबके मन-मस्तिष्क में प्राय- पुरुष किसान ही उभरता है।

ऐसे विरोधाभास में संयुक्त राष्ट्र की पहल पर सरकार और समाज को देश की महिला किसानों के उत्थान के लिए संजीदगी से विचार करना होगा, क्योंकि आज भी वास्तविकता से हटकर पूरी दुनिया में महिला किसानों के महत्त्वपूर्ण योगदान के बावजूद उनके कार्यों को हाशिये पर रखा जाता है।

देश में उदारीकरण, निजीकरण और औद्योगीकरण के बाद पुरुषों का गांवों से पलायन बढ़ा है। ऐसे में महिलाओं ने रोजमर्रा के घरेलू कार्यों के साथ-साथ कृषि एवं संबद्ध कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभानी शुरू की है। आज यंत्रीकरण के बावजूद धान की रोपाई करते हुए आमतौर पर महिलाएं ही देखी जाती हैं। इसके अलावा

**संयुक्त राष्ट्र ने महिलाओं के कृषि एवं बागवानी के कार्यों में महत्त्व को मान्यता देने और लैंगिक असमानता को खत्म करने के लिए वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष के रूप में मनाए जाने की घोषणा की है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, देश में महिलाओं की आबादी 48.4 फीसद है, इसके बावजूद खेती और बागवानी में उनकी आधे से भी अधिक की भागीदारी है। ग्रामीण महिलाएं दैनिक श्रमसाध्य पारिवारिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के साथ-साथ बागवानी से जुड़े कार्यों में 79 फीसद तथा खेती में लगभग 75 फीसद सक्रिय हिस्सेदारी करती हैं, फिर भी यह कटु सत्य है कि किसान तो पुरुष ही कहलाता है। जब भी किसान की बात आती है, तो हम सबके मन-मस्तिष्क में प्रायः पुरुष किसान ही उभरता है।**

वे सारे कार्य जो खेती में श्रम प्रधान हैं, जैसे- बुआई, गुड़ाई, कटाई, ओसाई, भंडारण, प्रसंस्करण तथा चारा उत्पादन, ये सभी सर्वाधिक महिलाओं के खाते में ही दर्ज होते हैं।

मत्स्य पालन, पशुपालन और बागवानी में भी कमोबेश यही स्थिति है। इसके बावजूद राजस्व अभिलेखों में इनका अदृश्य होना अनेक सवाल खड़ा करता है। वर्ष 2023-24 के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, देश में प्रत्येक तीन में से दो ग्रामीण महिलाएं कृषि समुदाय का हिस्सा हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में अस्सी फीसद महिलाएं कृषि में संलग्न है।

इसी तरह लोकसभा में दी गई सूचना के अनुसार, महिला कृषि श्रमिकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, तो दूसरी तरफ पुरुष कृषि श्रमिकों में गिरावट देखने को मिल रही है। जनगणना-2011 के आंकड़ों के अनुसार, देश में 3.6 करोड़ महिला किसान तथा 6.15 करोड़ महिला कृषि श्रमिक हैं। इस तरह, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में महिलाओं की बड़ी भागीदारी होने के बावजूद उन्हें पूरे हक-हकूक नहीं मिल पा रहे हैं।

यही कारण है कि महिला किसानों और श्रमिकों की इतनी बड़ी आबादी होने के बावजूद तकरीबन चौदह फीसद महिला किसानों का नाम ही कृषि योग्य भूमि एवं राजस्व अभिलेख में अंकित है। इसी तरह महिला कृषि श्रमिकों के नाम महज दो फीसद ही हैं। वर्ष 2019 में शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अनुसार, पंजाब जैसे समृद्ध राज्य में महिलाओं के नाम अभी भी कृषि योग्य भूमि पर मात्र एक फीसद ही दर्ज हैं।

ऐसा नहीं है कि खेती में महिलाओं की हकदारी में असमानता सिर्फ भारत में ही है, बल्कि पूरी दुनिया में उनके नाम खेत का स्वामित्व न होना एक बड़ा विभेद खड़ा करता है। एक अनुमान के मुताबिक, विकासशील देशों में आधी से अधिक आबादी खेती में संलग्न है, मगर भूमि का स्वामित्व सिर्फ पंद्रह फीसद महिलाओं के पास ही है। इस तरह कृषि के क्षेत्र में पूरी दुनिया में लैंगिक असमानता कायम है। देश में महिला किसानों की तरक्की में सबसे बड़ा रोड़ा अभिलेखजनित असमानता ही है, क्योंकि खेती योग्य भूमि का स्वामित्व (खसरा, खतौनी में नाम) न होने के कारण अनेक प्रकार की सरकारी योजनाओं और औपचारिक वित्तीय लाभ खासतौर से किसान क्रेडिट कार्ड एवं सरकारी अनुदान से महिलाएं कोसों दूर हो जाती हैं। लागत को घटाने के लिए इस समय कृषि यंत्रों पर जोर है, मगर महिलाओं के अनुकूल कृषि यंत्र बहुत कम उपलब्ध हैं। सरकार को इस मसले पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए। महिलाएं देश, समाज और परिवार के लिए कितना योगदान दे रही हैं, उसे आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के आंकड़ों से समझा जा सकता है। इसके अनुसार, महिलाएं चूल्हा-चौका, बच्चों के पालन-पोषण समेत अन्य घरेलू कार्यों के दबाव के चलते तकरीबन ढाई गुना से अधिक समय अवैतनिक कार्यों में गुजार देती हैं। इससे उनका बाजार उन्मुखीकरण और उच्च मूल्य वाले कार्यों में भागीदारी मूल्य शृंखला में सबसे ऊपर होने की संभावना सर्वाधिक न्यून हो जाती है।

संविधान का अनुच्छेद-14 सभी को समानता का अधिकार देता है, इससे महिलाओं को सामान कार्य का सामान मेहनताना मिलना चाहिए। मगर संवैधानिक व्यवस्था से इतर महिलाओं को व्यावहारिक रूप से पुरुषों की अपेक्षा कृषि कार्यों का मेहनताना कम दिया जाता है। इसी प्रकार अनुच्छेद- 21 गरिमापूर्ण जीवन की गारंटी देता है, मगर कृषि क्षेत्र के असंगठित होने के कारण कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायतों का निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष अधिनियम, 2013 भी लागू नहीं हो पाता है। केवल संगठित और बड़े कार्यस्थलों में ही यह मूर्त रूप ले पाता है। इससे खेती आधारित गतिविधियों में कई बार महिलाएं यौन उत्पीड़न और हिंसा की शिकार हो जाती हैं और न्याय के लिए उन्हें दर-दर भटकना पड़ता है। ऐसे में संविधान प्रदत्त गरिमापूर्ण जीवन और समानता की बात कल्पना से परे है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अधीन कार्य करने वाली कृषि अनुसंधान एवं प्रसार की सर्वोच्च संस्था भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने महिला किसानों के उत्थान के लिए वर्ष 1996 में भुवनेश्वर में केंद्रीय महिला कृषि संस्थान की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य कृषि में महिलाओं के अनुरूप तकनीक और आजीविका पर केंद्रित अनुसंधान करना है। इसी प्रकार स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से वित्तीय समावेशन बढ़ा है, नमो ड्रोन दीदी योजना से हुनरमंद महिलाएं तरक्की की नई इबारत लिख रही हैं, लखपति दीदी योजना से भी लाभ हो रहा है। इसके अलावा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, नाबार्ड और राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान के संयुक्त सहयोग से एग्री क्लीनिक और एग्री बिजनेस सेंटर योजना के माध्यम से महिला कृषि उद्यमी तैयार हो रही हैं। इसी तरह कृषि अवसंरचना कोष समेत अनेक योजनाएं आज संचालित हो रही हैं। फिर भी वास्तविक किसान के रूप में जमीन का मालिकाना हक न मिल पाने के कारण दिन-रात खेत में कार्य करने वाली महिला किसानों को नवाचारों में निर्णय लेने की शक्ति, कृषि उत्पादों में सौदेबाजी, संस्थागत कर्ज लेने और सबसिडी की सुविधा नहीं मिल पाती है। अब यह समय की मांग है कि सरकार, निजी संस्थाएं और समाज तीनों मिलकर महिला किसानों को खेती जैसे महत्त्वपूर्ण संसाधन के हक-हकूक दिलाने के लिए नीतिगत निर्णय के साथ उन्हें समान अधिकार और सम्मान दिलाएं।

# बरमकेला में विधायक एवं कलेक्टर ने किया सुपोषण केंद्र का शुभारंभ

## सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरमकेला में संचालित होगा 10 बिस्तरीय आदर्श सुपोषण केंद्र

### एनआरसी बना कुपोषित बच्चों के लिए मददगार

**सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका**

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ श्याम बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन में जिले में कुपोषण उन्मूलन की दिशा में जिला प्रशासन के निरंतर प्रयास सकारात्मक परिणाम दे रहे हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरमकेला में आदर्श सुपोषण गृह (एनआरसी) का शुभारंभ फीता काट कर किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सारंगढ़ विधायक उत्तरी जांगड़े, अध्यक्षता कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू एवं विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय नायक, नगर पंचायत अध्यक्ष सत्यभामा नायक, जनपद अध्यक्ष डॉ विद्या चौहान एवं जनप्रतिनिधियों व गणमान्य नागरिक अधिकारियों कर्मचारियों खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अवधेश पाणिग्राही के उपस्थित में भारत माता व भगवान धनवंतरी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित व माल्यार्पण एवं पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सारंगढ़ विधायक उत्तरी जांगड़े ने कहा कि बरमकेला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आज एनआरसी शुभारंभ हो गया है। इस क्षेत्र के कुपोषित बच्चों का यहां माताओं के साथ कमजोर बच्चों को डॉक्टरों के विशेष सहयोग से, कुपोषण से जूझ रहे बच्चों के स्वास्थ्य सुधार में यह केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यहां बच्चों को पौष्टिक आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने कहा कि कुपोषित बच्चों का सही समय पर उनके देखभाल कर सकते हैं और कुपोषण से बाहर ला सके इसी कड़ी में आज यहां 10 बिस्तरीय आदर्श सुपोषण केंद्र का शुभारंभ किया गया। सभी आम जनता से निवेदन है कि महिलाओं और कुपोषित बच्चों को यहां एनआरसी तक लाएं जिससे जिले में कुपोषित बच्चों की मृत्यु दर को कम कर सकते हैं। अपने कुपोषित बच्चों को शासन की इस सुविधा का लाभ लेकर कुपोषण मुक्त करें ताकि बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास हो सके। एनआरसी के माध्यम से क्षेत्र के कुपोषित बच्चों को उपचार, पोषण आहार एवं आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह केंद्र क्षेत्र में कुपोषण से जूझ रहे बच्चों के उपचार और बेहतर स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। शुभारंभ के दौरान कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरमकेला का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध सेवाओं, ओपीडी एवं आईपीडी की स्थिति की जानकारी ली तथा मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर उमेश कुमार साहू एसडीएम, शिक्षा शर्मा डिप्टी कलेक्टर, बरमकेला जनपद पंचायत अध्यक्ष डॉ विद्या चौहान, जिला पंचायत सदस्य डॉ. अभिलाषा नायक, सहोद्रा सिदार, गणमान्य नागरिक मनोहर पटेल, किशोर पटेल, ताराचंद पटेल, गरिमा पटेल, पुनीतराम चौहान पूर्व सदस्य अनुसूचित जाति आयोग छ.ग., गनेशी चौहान, राजकिशोर पटेल, डॉ अवधेश पाणिग्राही (खण्ड चिकित्सा अधिकारी), डॉ. संजय पटेल, डॉ. नारायण राठौर, ईश्वर प्रसाद दिनकर बीपीएम सहित सभी स्टाफ उपस्थित थे।

# जनसंपर्क विभाग में 22 अधिकारियों-कर्मचारियों का तबादला, सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के भी अधिकारी बदले गए, गुलाब डडसेना होंगे नए पीआरओ..

**सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका**

छत्तीसगढ़ शासन के जनसंपर्क विभाग ने बुधवार को राज्य के विभिन्न जिलों में पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों के स्थानांतरण का आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार जनसंपर्क विभाग में कुल 22 अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशासनिक एवं अन्य आधारों पर नई पदस्थापना दी गई है।जारी आदेश में गुलाब डडसेना, सहायक संचालक को जिला जनसंपर्क कार्यालय रायगढ़ से स्थानांतरित कर जिला जनसंपर्क कार्यालय सारंगढ़-बिलाईगढ़ पदस्थ किया गया है। वहीं सारंगढ़-बिलाईगढ़ में पदस्थ देवराम यादव, सहायक सूचना अधिकारी का स्थानांतरण जिला जनसंपर्क कार्यालय महासमुंद किया गया है।आदेश में कई अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के भी स्थानांतरण किए गए हैं। इनमें जिला जनसंपर्क कार्यालय राजनांदगांव, जगदलपुर, रायपुर, कवर्धा, कांकेर, सूरजपुर, बेमेतरा, महासमुंद, बलरामपुर-रामानुजगंज सहित विभिन्न जिलों में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। शासन के आदेश में स्पष्ट किया गया है कि स्थानांतरण के बाद संबंधित अधिकारी-कर्मचारी आगामी आदेश तक नई पदस्थापना वाले स्थान पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। कुछ स्थानांतरण प्रशासनिक आधार पर तथा कुछ स्वयं के व्यय पर किए गए हैं।

# मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने चमोली सुरंग हादसे में कोंडागांव जिले के मृतक श्रमिकों के परिजनों को 5-5 लाख और घायलों को 50-50 हजार की सहायता देने के दिए निर्देश

### दु:ख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ी है राज्य सरकार : मुख्यमंत्री साय

**रायपुर/मूक पत्रिका**

20 अगस्त 2026/ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने उत्तराखंड के चमोली में निर्माणाधीन सुरंग में पानी भरने की दुःखद घटना में कोंडागांव जिले के 4 श्रमिकों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने मृतक श्रमिकों के परिजनों को ?5-5 लाख तथा हादसे में घायल दोनों श्रमिकों को ?50-50 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।इस हादसे में कोंडागांव जिले के ग्राम धनसुली के 2, मदनार के 1 और दहीकोंगा के 1 श्रमिक की मृत्यु हुई है, जबकि जिले के 2 श्रमिक घायल हुए हैं। दिवंगत श्रमिकों के पार्थिव शरीर कोंडागांव लाए गए, जहां परिजनों की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार किया गया।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार दुःख की इस घड़ी में शोकाकुल परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

## योग विद्या ग्रुप में धूमधाम से मनाया गया सावन एवं हरियाली तीज उत्सव

**डोंगरगढ़।** सावन मास और हरियाली तीज के पावन अवसर पर योग विद्या ग्रुप द्वारा केसरी नंदन लॉन में सावन एवं हरियाली तीज उत्सव का भव्य आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सज-संवरकर भाग लिया और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से सावन की खुशियों को साझा किया। पूरे आयोजन के दौरान गीत-संगीत, नृत्य और खेलों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने वातावरण को उल्लास से भर दिया।कार्यक्रम का आयोजन योग शिक्षिका श्रीमती विद्या आंबादे की देखरेख में किया गया। उन्होंने सावन और हरियाली तीज के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को एक-दूसरे से जुड़ने, अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को उत्साहपूर्वक मनाने का अवसर प्रदान करते हैं।

# सावन उत्सव के अवसर पर ममता कश्यप "वीरमाता" एवं रेखा कश्यप "करुणा शिरोमणि" के रुप में सम्मानित

**अम्बिकापुर/मूक पत्रिका**

अंबिकापुर के स्थानीय चम्बोथी स्थित सामुदायिक भवन में कहार समाज (महिला इकाई) जिला सरगुजा के महिलाओं द्वारा सावन उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुरुआत में सर्वप्रथम मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया, इसके पश्चात उपस्थित महिलाओं का स्वागत किया गया। स्वागत के पश्चात सभी महिलाओं के लिए खेल प्रतियोगिता आयोजित की गयी एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन पर सम्मानित किया गया। इसके पश्चात समाजहित में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु लखनपुर निवासी गौतम कश्यप की माता एवं सुदामा कश्यप की धर्मपत्नी ममता कश्यप को इस कार्यक्रम में विशेष रुप से ''वीरमाता' के रुप में सम्मानित किया गया, इनके 30 वर्षीय पुत्र गौतम कश्यप द्वारा समाज के व्यक्ति की जान बचाने के लिए अपना किडनी दान कर दिया है। इनके बाद इमलीपारा अम्बिकापुर निवासी राजू कश्यप की धर्मपत्नी रेखा कश्यप को ''करुणा शिरोमणि'' के रुप में सम्मानित किया गया, इनके द्वारा भी स्वयं का लिवर दान कर जीवन दान देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इन दोनों महिलाओं को कश्यप समाज की महिलाओं द्वारा विशेष रुप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी महिलाओं को श्रृंगार सामग्री वितरण किया गया एवं स्वल्पाहार कराया गया। अंत मे कहार समाज महिला ईकाई विंग जिला सरगुजा की मनोनीत अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद संध्या रवानी द्वारा सभी को अपनी शुभकामनाए दी एवं आगामी माह से प्रत्येक माह इस प्रकार के सामाजिक कार्यक्रम को आयोजित करने की जानकारी दी, जिसका उद्देश्य सामाजिक उत्थान के साथ-साथ समाजहित में कार्य करने वाले उत्कृष्ट व्यक्तियों को सम्मानित करते हुए समाज के उत्थान में कार्य करने हेतु जनजागरुकता अभियान चलाने की बात कही एवं अधिक से अधिक महिलाओं और बेटियों को संगठन से जुडने हेतु आव्हान किया है। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन मनोनित उपाध्यक्ष एवं समाज सेवी साधना कश्यप के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज की महिलाओं में से संध्या सिंह, मंजू कश्यप, मीरा कश्यप, श्यामा कश्यप, इंदू कश्यप, सुनिता कश्यप, ललिता कश्यप, सुषमा कश्यप, किरण कश्यप, शारदा कश्यप, एकता कश्यप, पुष्पा कश्यप, अर्चना कश्यप, सुम्मी कश्यप, सुभद्रा कश्यप, जुली कश्यप, रेखा कश्यप, ममता कश्यप, मनजोला कश्यप, मंजू कश्यप, सोनिया कश्यप, कविता कश्यप, चन्दा कश्यप, जूही कश्यप, अंजना कश्यप का उत्कृष्ट योगदान प्राप्त हुआ।उक्ताशय की जानकारी उपाध्यक्ष साधना कश्यप द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दिया गया।

# पंजाबी वूमेन वेलफेयर सोसाइटी ने मनाया 32वां तीज समारोह, 'तीयां दा मेला' में दिखी पंजाबी संस्कृति की झलक

**रायपुर /मूक पत्रिका**

पंजाबी वूमेन वेलफेयर सोसाइटी ने अपने 32 गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में होटल बेबीलोन कैपिटल में पारंपरिक तीज समारोह 'तीयां दा मेला' का भव्य आयोजन किया। समारोह में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पारंपरिक पंजाबी परिधानों में सजकर कार्यक्रम को रंगारंग बना दिया।कार्यक्रम का आयोजन सोसाइटी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स गुरशरण गरचा, लवली टुटेजा, तेजिंदर ग्रेवाल, इकबाल कौर, सुरिंदर खुराना, रविंद्र भामरा तथा टीम नूर ए पंजाबन की अध्यक्ष ऋतु खेड़ा, सचिव सरबप्रीत भुई और ट्रेजरर पूजा होरा के नेतृत्व में किया गया। समारोह में 32 लकी ड्रॉ, जिनमें विशेष रूप से चांदी के सिक्के प्रायोजित किए गए थे, आकर्षण का केंद्र रहे। इसके अलावा विभिन्न मनोरंजक खेलों और शानदार नृत्य प्रस्तुतियों ने उपस्थित महिलाओं का खूब मनोरंजन किया। 'तीयां क्वीन' प्रतियोगिता भी कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही। इस अवसर पर महिलाओं ने पंजाबी लोक संस्कृति, परंपराओं और तीज के उल्लास को जीवंत किया। आयोजन ने महिला सहभागिता, सामाजिक एकजुटता और महिला सशक्तिकरण का संदेश भी दिया। मीडिया प्रभारी जसविंदर डडयाला ने बताया कि 'तीयां दा मेला' पंजाबी संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। समारोह में महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने आयोजन को यादगार बना दिया।

# करपावंड पुलिस ने स्कूली बच्चों को सिखाए साइबर सुरक्षा के गुर

**करपावंड/मूक पत्रिका**

बस्तर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जन-जागरूकता अभियान के तहत थाना करपावंड की टीम ने मंगनार स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में विद्यार्थियों के लिए जागरूकता पाठशाला लगाई।

पुलिस अधीक्षक बस्तर शलभ सिन्हा के निर्देश पर, एसडीओपी प्रवीण भारती के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी करपावंड दिलबाग सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों को ऑनलाइन ठगी और नशे से बचने के उपाय बताए गए।मुख्य वक्ता सहायक उप निरीक्षक टिंगाली कश्यप ने बताया कि आजकल ठग खुद को बैंक मैनेजर, कस्टमर केयर अधिकारी या रिश्तेदार बताकर कॉल करते हैं। लॉटरी लगने, इनाम जीतने या खाता बंद होने का डर दिखाकर हऊक्क क्क्ष पिन और आधार जैसी गोपनीय जानकारी मांगते हैं। उन्होंने बच्चों से अपील की - किसी भी अनजान कॉल पर अपनी निजी जानकारी न दें, मोबाइल पर आए संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और यदि कोई व्यक्ति पैसे भेजने का दबाव बनाए तो तुरंत अपने शिक्षक, माता-पिता या 1930 साइबर हेल्पलाइन पर संपर्क करें।

**सोशल मीडिया और यातायात को लेकर भी दी सीख**-एएसआई कश्यप ने कहा कि सोशल मीडिया पर अपनी फेटो, लोकेशन और स्कूल की जानकारी शेयर न करें, अनजान आईडी से दोस्ती न जोड़ें। इसके साथ ही बच्चों को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताते हुए कहा कि नशे की लत जीवन बर्बाद कर देती है, इसकी शुरूआत बुरी संगत से होती है, इसलिए ऐसे लोगों से दूर रहें। अंत में बच्चों को यातायात नियमों - हेलमेट लगाना, ट्रिपल राइडिंग से बचना और बाइक चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करना - के प्रति भी जागरूक किया गया।

# तेलासी में सुशासन की नई कड़ी: सेवा सेतु लोक सेवा केंद्र का भव्य शुभारंभ सपन्न!

**तेलासी/मूक पत्रिका**

छत्तीसगढ़ शासन की सुशासन और डिजिटल जनसेवा की महत्वपूर्ण पहल ÷सेवा सेतु÷ अब ग्राम तेलासी में भी जनसेवा का नया माध्यम बन गई है। पूर्व विधायक प्रत्याशी कसडोल एवं सृजन भूमि छत्तीसगढ़ न्यूज़ के प्रधान संपादक श्री प्रीतलाल कुर्रे जी की विशेष पहल से ग्राम पंचायत तेलासी में सेवा सेतु लोक सेवा केंद्र का भव्य शुभारंभ किया गया।छत्तीसगढ़ शासन के सेवा सेतु पोर्टल का मूल उद्देश्य शासकीय सेवाओं एवं कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच नागरिकों तक आसान बनाना और सेवाओं को अधिक पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराना है।

**संविधान की पूजा से हुआ शुभारंभ, तिरंगा यात्रा ने बढ़ाया राष्ट्रभाव**-कार्यक्रम की शुरुआत भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं भारतीय संविधान की पुस्तक की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके पश्चात श्रीफल फोड़कर सेवा सेतु लोक सेवा केंद्र के शुभारंभ की औपचारिक शुरुआत की गई।कार्यक्रम में तिरंगा यात्रा भी निकाली गई, जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तिरंगे की शान के साथ गांव की गलियों में निकली यात्रा ने कार्यक्रम में देशभक्ति और सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया।

**गांव का विकास, ग्रामीणों की भागीदारी से÷ — ग्रामसभा में हुआ विशेष मंथन**-कार्यक्रम की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी रही विशेष ग्रामसभा, जिसमें गांव के विकास को लेकर ग्रामीणों से सीधे सुझाव लिए गए।ग्रामसभा में यह चर्चा की गई कि ग्राम तेलासी का समग्र एवं सर्वांगीण विकास किस प्रकार किया जाए, किन कार्यों को प्राथमिकता दी जाए और ग्रामीणों की वास्तविक जरूरतें क्या हैं। ग्रामीणों ने अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए। विकास कार्यों को प्राथमिकता देने के लिए ग्रामीणों की राय एवं मतदान के माध्यम से प्रस्ताव/आवेदन प्रस्तुत किए गए। इससे गांव के विकास में आम जनता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल सामने आई।यह आयोजन केवल एक लोक सेवा केंद्र के शुभारंभ तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जनता की आवाज को गांव के विकास की योजना से जोड़ने का प्रयास भी बना।

**सेवा सेतु से गांव तक पहुंचेगी डिजिटल शासन की सुविधा**-सेवा सेतु छत्तीसगढ़ शासन का आधिकारिक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से नागरिक विभिन्न शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन कर सकते हैं और आवेदन की स्थिति भी देख सकते हैं। पोर्टल पर आय, निवास, जाति, विवाह पंजीयन सहित अनेक सेवाओं के लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध है। ग्राम तेलासी में सेवा सेतु लोक सेवा केंद्र के संचालन से ग्रामीणों को शासकीय सेवाओं के लिए अनावश्यक भागदौड़ कम करने, डिजिटल आवेदन प्रक्रिया को समझने तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिलने की उम्मीद है। यानी अब गांव से शासन तक पहुंच का रास्ता और आसान होगा।

**शुभारंभ के साथ स्वास्थ्य सेवा का भी मिला लाभ**-कार्यक्रम के अवसर पर फर्स्ट केयर फाउंडेशन, रायपुर के सहयोग से रायपुर से आए विशेष चिकित्सकों की टीम द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई और सामान्य बीमारियों से संबंधित चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई गई। ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए जरूरतमंद मरीजों के लिए उपलब्ध विभिन्न चिकित्सा सहायता एवं उपचार संबंधी सुविधाओं की जानकारी भी दी गई।इसके साथ ही आयुष्मान भारत कार्ड के माध्यम से पात्र एवं जरूरतमंद लोगों को सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ लेने के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया।

**गांव के विकास के साथ स्वास्थ्य और जनसेवा का संदेश**-सेवा सेतु केंद्र के शुभारंभ एवं स्वास्थ्य शिविर ने ग्रामीणों के बीच यह संदेश दिया कि डिजिटल सुविधा, सरकारी योजना, स्वास्थ्य सेवा और जनभागीदारी—चारों को गांव के विकास से जोड़ा जा सकता है।कार्यक्रम में ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई और गांव की मूलभूत आवश्यकताओं, विकास कार्यों तथा भविष्य की योजनाओं को लेकर अपनी बात रखी।

**जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों की रही उपस्थिति**-कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत तेलासी के सरपंच श्री रामायण ध्रुव ने की। कार्यक्रम सृजन भूमि छत्तीसगढ़ न्यूज़ के प्रधान संपादक श्री प्रीतलाल कुर्रे जी के सौजन्य एवं विशेष पहल से संपन्न हुआ। इस अवसर पर ग्राम पंचायत उपसरपंच पति एवं प्रतिनिधि श्री चूड़ामणि गायकवाड़, ग्राम पंचायत सचिव श्री लीलक लहारे, छत्तीसगढ़ी फिल्म निर्माता-निर्देशक श्री विनोद बर्मन जी, श्री देवेंद्र मल्होत्रा जी, श्री तखतराम बरतामसी , कंप्यूटर ऑपरेटर श्री धर्मेंद्र मंडले, श्री ऋषि कुमार दीवान, पंच श्रीमती उर्मिला देवदास, रोजगार सहायक श्री रवि टंडन सहित समस्त पंचगण, ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

**सेवा सेतु÷ बना गांव और शासन के बीच सेतु**-ग्राम तेलासी में सेवा सेतु लोक सेवा केंद्र का शुभारंभ ग्रामीणों के लिए डिजिटल शासन की सुविधा को स्थानीय स्तर तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एक ओर जहां छत्तीसगढ़ शासन की सेवा सेतु पहल नागरिकों को शासकीय सेवाओं और कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का काम कर रही है, वहीं दूसरी ओर ग्रामसभा के माध्यम से ग्रामीणों की राय लेकर विकास कार्यों की प्राथमिकता तय करने की पहल जनभागीदारी आधारित विकास की तस्वीर प्रस्तुत करती है।

## संक्षिप्त समाचार

### रायपुर के की अनन्या अग्रवाल और आदित्यसाई बालकृष्णगनंदम ने सैमसंग सोल्व फॉर टुमारो में राष्ट्रीय टॉप 40 में बनाई जगह, छत्तीसगढ़ को भारत के इनोवेशन मानचित्र पर पहुंचाया

**रायपुर।** महज 15 और 14 वर्ष की उम्र में रायपुर की अनन्या अग्रवाल और आदित्यसाई बालकृष्णगनंदम छत्तीसगढ़ को भारत के उभरते इनोवेशन मानचित्र पर अपनी पहचान दिला रहे हैं। दोनों किशोरों ने सैमसंग सोल्व फॉर टुमारो के पांचवें संस्करण के राष्ट्रीय टॉप 40 में जगह बनाई है।

उनका विचार एक ऐसे अधिक समावेशी दृष्टिकोण की खोज करता है, जो एलेक्सिथाइमिया का अनुभव करने वाले ऑटिज्म से ग्रस्त लोगों के भावनात्मक संकेतों को पहचानने में मदद कर सके। सैमसंग सोल्व फॉर टुमारो, 14 से 22 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए Samsung का प्रमुख ष्टस्क्र इनोवेशन कार्यक्रम है। डिजाइन थिंकिंग, मेंटरशिप और व्यावहारिक सीख के माध्यम से यह कार्यक्रम पूरे भारत के युवा इनोवेटर्स को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों की पहचान करने और तकनीक–आधारित समाधान तलाशने में सक्षम बनाता है। साथ ही, यह संभावनाओं से भरे विचारों को प्रोटोटाइप की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक सहयोग और मंच प्रदान करता है। सहानुभूति पर आधारित एक विचार अनन्या और आदित्यसाई का समाधान इस बात की पड़ताल करता है कि तकनीक किस तरह एलेक्सिथाइमिया का अनुभव करने वाले ऑटिज्म से ग्रस्त लोगों द्वारा भावनाओं को व्यक्त करने और समझने के तरीकों में मौजूद अंतर को बेहतर ढंग से ध्यान में रख सकती है। एलेक्सिथाइमिया एक ऐसी स्थिति है, जिसमें कुछ लोगों के लिए भावनाओं को पहचानना और उनकी व्याख्या करना मुश्किल हो सकता है। इस विचार की शुरुआत एक सरल सवाल से हुई: भावनाओं को पहचानने के लिए बनाई गई तकनीक यह क्यों माने कि हर व्यक्ति उन्हें एक ही तरह से व्यक्त करता है? भावनात्मक संकेतों को सार्वभौमिक मानने के बजाय, ये युवा इनोवेटर्स इस बात की खोज कर रहे हैं कि व्यक्तिगत अंतर को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने के लिए तकनीक को किस तरह डिजाइन किया जा सकता है। उनकी यह उपलब्धि पूरे देश में सामने आ रही एक बड़ी कहानी का हिस्सा है। इस वर्ष की राष्ट्रीय टॉप 40 टीमों मेंआधे से अधिक टीयर–2 और टीयर–3 शहरों से हैं। यह दर्शाता है कि भारत के पारंपरिक तकनीकी और स्टार्टअप केंद्रों से दूर रहने वाले युवा इनोवेटर्स के बीच भी तेजी से संभावनाओं से भरे विचार सामने आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ के लिए राष्ट्रीय टॉप 40 में रायपुर के दो किशोरों का शामिल होना गर्व का क्षण है। यह इस बात का उदाहरण भी है कि भारत के अलग–अलग हिस्सों के युवाओं की जिज्ञासा, सहानुभूति और समस्या–समाधान की क्षमता व्यापक प्रभाव डालने वाले विचारों में बदल सकती है। टॉप 40 का हिस्सा बनने के बाद अब अनन्या और आदित्यसाई को मेंटरशिप और प्रोटोटाइप तैयार करने में सहयोग मिलेगा। इसके माध्यम से वे अपने विचार को शुरुआती चरण से एक काम करने वाले प्रोटोटाइप की दिशा में आगे बढ़ाने पर काम करेंगे।

### 27 अगस्त को सैमसंग पेश करेगा गैलेक्सी एस26 सीरीज़ का नया स्मार्टफोन

गैलेक्सी एस26 सीरीज ने कैमरा और एआई से जुड़े अपने नए इनोवेशन के साथ स्मार्टफोन अनुभव को नई ऊंचाई दी है। इससे यूजर्स के लिए रोजमर्रा की जिंदगी में तस्वीरें लेना, कंटेंट तैयार करना और दूसरों से जुड़े रहना आसान हुआ है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स 27 अगस्त को गैलेक्सी इवेंट अगस्त 2026 आयोजित करेगा। इस दौरान कंपनी गैलेक्सी एस26 सीरीज का नया डिवाइस पेश करेगी। इसे खासतौर से गैलेक्सी एस26 सीरीज के कैमरा और एआई से जुड़े प्रमुख अनुभवों के साथ लेटेस्ट वन यूआई के साथ डिजाइन किया गया है। कंपनी ने इसे यूजर्स की उन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है, जो उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखती हैं। गैलेक्सी इवेंट को 27 अगस्त को रात 9 बजे भारतीय समयानुसार शाम 5:30 बजे से सैमसंग.com और सैमसंग के यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा।

# दो बंदूकें लेकर स्कूल पहुंचा छात्र, पहले टीचर पर चलाई गोली फिर साथी छात्र की हत्या कर की खुदकुशी

**मनीला, एजेंसी।** दक्षिणी फिलीपींस में एक हाई स्कूल में मंगलवार को दो बंदूकें लिए एक छात्र ने अपने ही एक साथी छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद फिर खुदकुशी कर ली। इस घटना के बाद सैकड़ों छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

जाम्बोआंगा शहर के मेयर खाइमर अदान ओलासो ने कहा कि हमलावर ने शायद हमले की लाइव-स्ट्रीमिंग के लिए बॉडी कैमरा पहना हुआ था। यह हमला उनके शहर में एटेनिओ डी जाम्बोआंगा यूनिवर्सिटी कैंपस के हाई स्कूल में हुआ। उन्होंने बताया कि दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं।

ओलासो ने रेडियो नेटवर्क को बताया कि हमलावर ने पहले एक टीचर पर गोली चलाई, लेकिन यह साफ नहीं है कि टीचर को गोली लगी या नहीं। इसके बाद उसने अपने एक साथी छात्र को गोली मारी, जिससे उसकी मौत हो गई, और फिर उसने खुद को गोली मार ली।

हाई स्कूल की बिल्डिंग में गोली चलने की आवाज के बाद सैकड़ों छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह बिल्डिंग एक सुरक्षित कैंपस में है, जो कैथोलिक यूनिवर्सिटी के बड़े कैंपस से अलग है। उस बड़े कैंपस में यूनिवर्सिटी के कॉलेज और प्रोफेशनल स्कूल हैं, जो जाम्बोआंगा बंदरगाह शहर में स्थित हैं। गोलीबारी के कुछ घंटों बाद पुलिस ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने छात्रों के माता-पिता और अभिभावकों से शांत रहने और बच्चों को ले जाने के लिए हाई स्कूल की सलाह और व्यवस्थाओं का पालन करने को कहा।

नेशनल पुलिस चीफ जनरल जोस मेलेंसियो नार्टाटेज जूनियर ने कहा, अधिकारी अभी घटना से जुड़ी परिस्थितियों का पता लगा रहे हैं। पुलिस सही समय पर पक्की जानकारी देगी और जनता से अपील करती है कि वे ऐसी बिना पुष्टि वाली खबरें, तस्वीरें या वीडियो शेयर न करें जिनसे बेवजह चिंता पैदा हो सकती है।

नार्टाटेज ने कहा, नेशनल पुलिस जनता को भरोसा दिलाती है कि स्कूल समुदाय की सुरक्षा और भलाई हमारी प्राथमिकता है। हम स्कूल प्रशासन, माता-पिता, अभिभावकों और समुदाय का उनके धैर्य, सहयोग और समझदारी के लिए धन्यवाद करते हैं, क्योंकि अधिकारी स्थिति को संभालने का काम कर रहे हैं। यह गोलीबारी तब हुई जब पुलिस ने भरोसा दिलाया था कि देश भर के स्कूलों में सुरक्षा बढ़ाई जाएगी।

# लहरों में फंसे भारतीय मूल के बच्चे को बचाने वाले 16 साल के किशोर से मिले ट्रंप, किया सम्मानित

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के कैलिफोर्निया में 25 जुलाई को 10 वर्षीय भारतीय मूल का बच्चा नाथनियल राय समुद्र की तेज लहरों में फंस गया था। वह सांता क्रूज के सीब्राइट बीच पर पानी में था। इसी दौरान उसने अपना संतुलन खो दिया और लहरों की चपेट में आ गया। वहां ड्यूटी पर मौजूद 16 वर्षीय लाइफगार्ड राइडर विलियम्स ने बच्चे को मुश्किल में देखा और तुरंत उसे बचाने के लिए दौड़ पड़ा। विलियम्स ने बताया कि उसने बच्चे को लाइफगार्ड टावर से करीब 20 गज दूर टखने तक पानी में अपना संतुलन खोते देखा था। खतरा समझते ही वह उसकी तरफ दौड़ा। उसने कहा कि ऐसे मुश्किल समय में लाइफगार्ड अपनी ट्रेनिंग पर भरोसा करते हैं। उसका पूरा ध्यान बच्चे को जितनी जल्दी हो सके पानी से बाहर निकालने पर था। बचाव की यह घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो गई और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बचाव का वीडियो सामने आने के बाद ट्रंप की भी इस घटना पर नजर पड़ी। उन्होंने लाइफगार्ड विलियम्स और उसके परिवार को व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया। सोमवार को विलियम्स अपने माता–पिता शेन और शैनन के साथ ओवल ऑफिस पहुंचे। उनके साथ बचाए गए बच्चे नाथनियल राय, उसकी बहन लैला और पिता सुमित राय भी मौजूद थे। बचाव में मदद करने वाले एक अन्य लाइफगार्ड आरोन बोनिन भी वहां पहुंचे। ट्रंप ने विलियम्स को असली हीरो बताया और उसके साहस की जमकर तारीफ की।

# दक्षिण कोरिया को छोड़ उत्तर कोरिया के करीब क्यों जा रहे ट्रंप अमेरिका के सहयोगियों की बढ़ी चिंता

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया के साथ होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों को कम करने का फैसला किया है। इससे केवल लंबे समय से अमेरिका के सहयोगी रहे दक्षिण कोरिया को ठेस नहीं पहुंची है, बल्कि एशिया और दुनिया के दूसरे हिस्सों में अमेरिका के सुरक्षा हितों को लेकर भी बड़ी चिंताएं पैदा हो गई हैं।

ट्रंप ने अपने फैसले की वजह बताते हुए कहा कि दक्षिण कोरिया ने ईरान के खिलाफ उनकी लड़ाई में शामिल होने से इनकार कर दिया। उन्होंने अलग-थलग रहने वाले उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन के साथ अपने अच्छे संबंधों का भी जिक्र किया। ट्रंप अक्सर विदेश नीति में फायदे-नुकसान और व्यक्तिगत रिश्तों को ज्यादा अहमियत देते रहे हैं। यही उनके राष्ट्रपति कार्यकाल की एक खास पहचान रही है।

जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के राष्ट्रपति कार्यकाल में यूरोपीय मामलों के सहायक विदेश मंत्री रह चुके डैन फ्राइड ने कहा, मुझे इसमें अमेरिका का कोई हित नजर नहीं आता। किसी भी स्तर पर यह समझ में नहीं आता। इससे दक्षिण कोरिया कमजोर होता है, जापान कमजोर होता है, ताइवान डरता है, नाटो चिंतित होता है और चीन को हौसला मिलता है। इतना ही नहीं, उत्तर कोरिया का भी हौसला बढ़ता है। ओबामा प्रशासन में पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र के सहायक विदेश मंत्री रह चुके डैनी रसेल ने कहा कि उत्तर कोरिया के पक्ष में ट्रंप का फैसला ऐसी श्रेणी में आता है, जिसमें यह समझना मुश्किल है कि इससे स्थिति और खराब कैसे हो सकती है। उत्तर कोरिया हर साल होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों का कड़ा विरोध करता है। उन्होंने कहा, यह दुखद रूप से पूरी तरह उलटा है। ट्रंप एक सहयोगी को सजा दे रहे हैं और एक विरोधी को बढ़ावा दे रहे हैं।

न्यूयॉर्क के एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट से जुड़े रसेल ने कहा, ट्रंप अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सुरक्षा की कीमत पर किम जोंग उन को नाराज होने से बचा रहे हैं।

रविवार को ट्रंप ने अमेरिकी सेना को 11 दिन चलने वाले उलची फ्रीडम शील्ड सैन्य अभ्यास का आकार छोटा करने का आदेश दिया। यह सैन्य अभ्यास सोमवार को तय समय पर शुरू हो गया। हालांकि, यह साफ नहीं था कि अभ्यास के किन-किन हिस्सों को कम किया जाएगा।

ट्रंप के इस एलान से दक्षिण कोरिया में बहुत से लोग आश्चर्यचकित रह गए। दक्षिण कोरिया दशकों से अमेरिका का करीबी सहयोगी रहा है। वहां राष्ट्रीय सुरक्षा को बेहद अहम माना जाता है, क्योंकि उसके सामने परमाणु हथियार रखने वाले उत्तर कोरिया का खतरा मौजूद है।

अमेरिकी कांग्रेस (संसद) में कई डेमोक्रेट सांसदों ने भी तुरंत ट्रंप की आलोचना की। न्यूयॉर्क से डेमोक्रेट सांसद और विदेश मामलों की समिति में सबसे बड़े डेमोक्रेट नेता ग्रेग मीक्स ने एक बयान में कहा, अमेरिका के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक के साथ विरोधी जैसा व्यवहार करने से हमारे गठबंधन कमजोर होते हैं और चीन तथा उत्तर कोरिया को फायदा मिलता है। सोमवार को ट्रंप ने अपने फैसले का फिर समर्थन किया। उन्होंने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की फोन पर बात करते हुए एक तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर के साथ लिखा था- हे डोनाल्ड... हम दोनों के बीच सब ठीक है, है ना? रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों ही दलों के राष्ट्रपतियों के कार्यकाल के दौरान काम कर चुके सेवानिवृत्त अमेरिकी राजदूत रॉबर्ट वुड ने कहा कि संयुक्त सैन्य अभ्यास उत्तर कोरिया को रोकने के लिए बेहद अहम हैं। उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से दूरी बना रखी है और उसने हथियारों का परीक्षण भी तेज कर दिया है। वुड ने कहा, हम यह भी नहीं चाहते कि दक्षिण कोरिया यह निष्कर्ष निकाले कि अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसके पास परमाणु हथियार हासिल करना ही एकमात्र गारंटी है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों तरह के प्रशासन में रक्षा और खुफिया विभाग से जुड़े पदों पर रह चुके मैथ्यू क्रोनिग ने कहा कि सर्वे बताते हैं कि दक्षिण कोरियाई लोगों में अपने परमाणु हथियार विकसित करने के विचार का समर्थन लगातार बढ़ा है। क्रोनिग ने कहा, अमेरिका दक्षिण कोरिया को यह भरोसा दिलाने के लिए बहुत मेहनत करता रहा है कि वह सुरक्षित है।

**हेड क्वांटर की शिफ्टिंग पर लगाई रोक**

# एफबीआई मुख्यालय अब कहां बनेगा: ट्रंप प्रशासन को कोर्ट ने दिया झटका

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के एक जज ने सोमवार को एफबीआई के मुख्यालय को वॉशिंगटन की एक फेडरल ऑफिस बिल्डिंग में ले जाने की योजना पर रोक लगा दी। जज ने पाया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने मैरीलैंड में पास की गई एक नई बिल्डिंग बनाने की योजना को गैर-कानूनी तरीके से रद्द कर दिया था।

यह फैसला देश की प्रमुख कानून लागू करने वाली एजेंसी का मुख्य कार्यालय कहां बनाया जाए, इस पर बरसों से चल रही लड़ाई में एक नया घटनाक्रम है। बता दें कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के दौरान मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट में एक जगह चुनी गई थी, लेकिन ट्रंप की ओर से नियुक्त अधिकारियों ने पिछले साल उस फैसले को पलटने की कोशिश की। वे चाहते थे कि एफबीआई के मौजूदा मुख्यालय से कुछ ब्लॉक दूर स्थित फेडरल ऑफिस कॉम्प्लेक्स, रोनाल्ड रीगन बिल्डिंग का इस्तेमाल इस काम के लिए किया जाए।

**जिला जज चुआंग ने क्या फैसला सुनाया**

राष्ट्रपति बराक ओबामा की ओर से नियुक्त अमेरिकी जिला जज थियोडोर डी. चुआंग ने फैसला सुनाया कि यह कदम कानून के मुताबिक नहीं था। उन्होंने ट्रंप प्रशासन को एफबीआई को रीगन बिल्डिंग में ले जाने के लिए उसकी मरम्मत करने या फंड का दोबारा इस्तेमाल करने से रोक दिया।

**मुकदमा किसने दायर किया था**

न्याय विभाग और एफबीआई के अधिकारियों ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। यह मुकदमा मैरीलैंड राज्य और प्रिंस जॉर्ज काउंटी ने दायर किया था। मैरीलैंड के अटॉर्नी जनरल एंथनी ब्राउन (जो डेमोक्रेट हैं) ने एक बयान में कहा, मैरीलैंड और प्रिंस जॉर्ज काउंटी ने एफबीआई मुख्यालय हासिल करने के लिए एक दशक से ज्यादा समय तक काम किया है। इसके साथ ही करोड़ों डॉलर देने का वादा किया। एफबीआई को रीगन बिल्डिंग में ले जाने और इस प्रोजेक्ट के लिए कांग्रेस द्वारा अलग रखे गए फंड को दूसरी जगह लगाने की ट्रंप प्रशासन की गैर-कानूनी कोशिश को रोककर, कोर्ट ने ग्रीनबेल्ट लौटने का रास्ता साफ कर दिया है। एफबीआई का मौजूदा मुख्यालय, पेन्सिलवेनिया एवेन्यू पर स्थित जे. एडगर हूवर बिल्डिंग में 1975 में खोला गया था। मुख्यालय को दूसरी जगह ले जाने के पक्ष में तर्क देने वालों का कहना है कि ब्रूटलिस्ट-शैली की यह इमारत अब जर्जर हो चुकी है। इसके चारों ओर पैदल चलने वालों को गिरते मलबे से बचाने के लिए जाल लगे हैं।

# नेपाल में सनातन धर्म को राष्ट्रीय पहचान बनाने की मांग, पूर्व पीएम देउबा के बयान से गरमाई सियासत

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने देश की राष्ट्रीय पहचान को सनातन धर्म से जोड़ने की बात कही है। उनके नेतृत्व वाले नेपाली कांग्रेस गुट के 14वें राष्ट्रीय सम्मेलन में इस दिशा में आगे बढ़ने का प्रस्ताव पारित किया गया। इससे नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग को राजनीतिक ताकत मिलने की चर्चा शुरू हो गई है। देउबा ने सम्मेलन के समापन समारोह में खुद को हिंदू बताते हुए अपनी राजनीतिक सोच भी साफ की।

पारित प्रस्ताव केवल हिंदू धर्म तक सीमित नहीं है। इसमें सनातन धर्म के साथ हिंदू, बौद्ध और किरात परंपराओं के संरक्षण पर जोर दिया गया है। साथ ही सभी धर्मों और समुदायों की धार्मिक आजादी, सहिष्णुता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की बात कही गई है। यानी प्रस्ताव में नेपाल की पारंपरिक धार्मिक पहचान को मजबूत करने के साथ दूसरे समुदायों के अधिकारों की बात भी शामिल है। नेपाली कांग्रेस के दूसरे गुट ने सम्मेलन में पारित प्रस्तावों और दिए गए बयानों पर आपत्ति जताई है। पार्टी प्रवक्ता विनोद चालिसे ने कहा कि सम्मेलन में हुए काम और नेताओं के बयानों पर पार्टी की नजर है। इससे साफ

है कि सनातन धर्म और राष्ट्रीय पहचान का मुद्दा केवल नेपाल की व्यापक राजनीति में ही नहीं, बल्कि नेपाली कांग्रेस के भीतर भी मतभेद का कारण बन सकता है। सम्मेलन में देउबा के नेतृत्व में नेपाली कांग्रेस का 15वां महाधिवेशन कराने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। इसके अलावा राष्ट्रीय एकता और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सभी राजनीतिक ताकतों से संवाद, जनता की अपेक्षाओं के मुताबिक संविधान में जरूरी संशोधन और धार्मिक परंपराओं के संरक्षण से जुड़े प्रस्ताव रखे गए। इन प्रस्तावों

# इमरान खान की आंखों में सुधार हुआ, जेल प्रशासन ने सेहत पर सुप्रीम कोर्ट में दी पूरी जानकारी

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की आंखों को लेकर जेल प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट को अहम जानकारी दी है। रावलपिंडी की अदियाला जेल की ओर से अदालत में दाखिल रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान खान की आंखों की स्थिति में काफी सुधार हुआ है और उनकी नजर अब 'लगभग सामान्य' हो गई है। यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है, जब सुप्रीम कोर्ट में इमरान की उस याचिका पर सुनवाई होनी है, जिसमें उन्होंने इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में इलाज कराने की मांग की है।

73 वर्षीय इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उनकी आंख की बीमारी जनवरी के अंत में सामने आई थी। उन्हें दाहिनी आंख में सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन यानी सीआरवीओ की समस्या बताई गई थी। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज यानी पीआईएमएस कई बार ले जाया गया। जेल प्रशासन के मुताबिक, पीआईएमएस के नेत्र रोग विभाग के प्रमुख डॉक्टर मुहम्मद आरिफ खान और रावलपिंडी के अलशिफा ट्रस्ट आई हॉस्पिटल के विट्रियों-रेटिनल विशेषज्ञ डॉक्टर नदीम कुरैशी ने उनका इलाज किया।

जेल प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार, इलाज के बाद इमरान खान की आंख में काफी सुधार देखा गया और उनकी नजर लगभग सामान्य हो गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि उनकी सेहत की नियमित निगरानी की जा रही है। जेल के चिकित्सा अधिकारी दिन में तीन बार उनकी जांच करते हैं। इस दौरान उनके भोजन की निगरानी के साथ रक्तचाप, हृदय गति और ऑक्सीजन स्तर जैसे जरूरी स्वास्थ्य मानकों की भी जांच की जाती है। प्रशासन ने कहा कि जेल में रहने के दौरान उनका मेडिकल रिकॉर्ड भी लगातार रखा गया है।

जेल प्रशासन ने अदालत को बताया कि इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं दी जा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अलग-अलग चिकित्सा संस्थानों के विशेषज्ञों और डॉक्टरों ने भी दोनों की स्वास्थ्य जांच की है। प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से इमरान की इलाज संबंधी याचिका को खारिज करने का अनुरोध किया है। उसका कहना है कि इमरान को जरूरी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है और उनकी आंख की हालत में सुधार इसका प्रमाण है। जेल प्रशासन के दावे के बावजूद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ यानी पीटीआई की ओर से इमरान खान की सेहत को लेकर चिंता जताई गई है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एक मेडिकल रिपोर्ट में इमरान का रक्तचाप अधिक पाया गया है। उन्होंने दावा किया कि इमरान के निजी डॉक्टरों ने पहले उनका रक्तचाप सामान्य पाया था।

# बच्चों को अकेले खेलने की आजादी पर अमेरिका में बदली सोच, देश के 13 राज्यों ने दी कानून में ढील

**इयान फ्रिश, एजेंसी।** अमेरिका में बच्चों की सुरक्षा को लेकर लंबे समय से बनाए गए सख्त नियमों पर अब बहस तेज हो रही है। कई जगह अभिभावकों को बच्चों को अकेले पार्क भेजने, आसपास खेलने देने या छोटी दूरी पर अकेले जाने देने पर कार्रवाई का डर रहता था। अब इस सोच में बदलाव दिखाई दे रहा है। 13 अमेरिकी राज्यों ने बाल-उपेक्षा से जुड़े नियमों में ढील दी है, ताकि बच्चों को उम्र के हिसाब से कुछ स्वतंत्रता देने पर माता-पिता को कानूनी कार्रवाई का सामना न करना पड़े। अटलांटा में एक छह साल के बच्चे के अकेले पार्क में खेलने का मामला इस बहस का उदाहरण बना। बच्चे को पार्क में अकेले देखकर एक महिला ने बाल कल्याण विभाग में उसके माता-पिता के खिलाफ शिकायत कर दी। इसके बाद मैलरी शर्ली और उनके पति क्रिस्टोफर प्लेसेंट्स से पूछताछ हुई। लंबी कानूनी प्रक्रिया और अपील के बाद दंपती को आरोपों से बरी कर दिया गया। इस मामले ने सवाल खड़ा किया कि बच्चों की सुरक्षा और उन्हें स्वतंत्रता देने के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए।

**13 राज्यों ने नियमों में ढील क्यों दी:** अमेरिका में फ्री-रेंज किड्स आंदोलन को मिल रहे समर्थन के बीच 13 राज्यों ने अपने बाल-उपेक्षा कानूनों में बदलाव किया है। इसका मकसद यह स्पष्ट करना है कि बच्चों को उनकी उम्र और समझ के मुताबिक अकेले बाहर खेलने या आसपास जाने की अनुमति देना अपने आप में उपेक्षा नहीं माना जाए। समर्थकों का तर्क है कि बच्चों को हर समय निगरानी में रखने के बजाय सीमित स्वतंत्रता देना उनके आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत कर सकता है।

**आज के बच्चे पिछली पीढ़ी से कब बाहर निकलते हैं?:** बच्चों की स्वतंत्रता को लेकर सोच में बदलाव के बीच आंकड़े भी दिलचस्प तस्वीर दिखाते हैं। द ब्रिटिश चिल्ड्रन प्ले सर्वे के अनुसार, पिछली पीढ़ी के बच्चों को औसतन 8.9 वर्ष की उम्र में अकेले बाहर खेलने की अनुमति मिल जाती थी। आज यह उम्र बढ़कर औसतन 10.7 वर्ष हो गई है। यानी बच्चों को स्वतंत्र रूप से बाहर जाने की अनुमति अब करीब दो साल देर से मिल रही है। वहीं करीब 34 फीसदी बच्चे स्कूल के बाद बाहर खेलने नहीं जाते हैं।

**बच्चों के लिए बाहर खेलना क्यों जरूरी माना जा रहा है?:** बच्चों के लिए खेलना केवल मनोरंजन नहीं है। इससे उनका शारीरिक विकास होता है और वे दूसरे बच्चों के साथ बातचीत करना, छोटे फैसले लेना और परिस्थितियों को समझना सीखते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, पांच से 17 वर्ष की उम्र के बच्चों को रोज करीब 60 मिनट खेलना-कूदना चाहिए। इसके बावजूद करीब 20 फीसदी बच्चे सप्ताहांत में भी बाहर नहीं खेलते। इसी वजह से बच्चों की सुरक्षा के साथ उनकी स्वतंत्रता पर भी ध्यान देने की मांग बढ़ रही है।

# भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण के दावे पर घिरे पीएम बालेन; 26 अगस्त को संसद में विपक्ष करेगा सवालों की बौछार

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह अगले सप्ताह प्रतिनिधि सभा में सांसदों के सवालों का सामना करेंगे। सदन के अध्यक्ष डोल प्रसाद आर्याल ने सोमवार को बताया कि प्रधानमंत्री के साथ सीधे सवाल–जवाब का सत्र 26 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष ने सदन को बताया कि प्रतिनिधि सभा नियमावली 2026 के अध्याय–9 के तहत प्रधानमंत्री के साथ प्रश्नोत्तर सत्र निर्धारित किया गया है। इस दौरान सदन में मौजूद प्रत्येक राजनीतिक दल से कम से कम एक सांसद प्रधानमंत्री से सवाल पूछ सकेगा। अध्यक्ष ने सांसदों से अपने सवाल संक्षिप्त रखने की अपील भी की। प्रधानमंत्री शाह के संसद में आने का फैसला ऐसे समय हुआ है, जब विपक्ष लंबे समय से उनके एक बयान पर स्पष्टीकरण की मांग कर रहा है। दरअसल, 31 मई को संसद में अपने पहले संबोधन के दौरान शाह ने कहा था कि उन्हें इस बारे में जानकारी मिली है कि नेपाल ने भारत के क्षेत्र में भी 'अतिक्रमण' किया है। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने प्रधानमंत्री से इस बयान को स्पष्ट करने की मांग की। उनका कहना है कि यदि नेपाल की ओर से भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण की बात कही गई है तो प्रधानमंत्री को उसके समर्थन में सबूत पेश करने चाहिए या फिर अपना बयान वापस लेना चाहिए।

# उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने संत गुरु रविदास महाराज की जन्मस्थली की पवित्र माटी एवं गंगाजल कलश वितरण कार्यक्रम में की शिरकत

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बीते गुरुवार को बेमेतरा के टाउन हॉल में आयोजित संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर उनकी जन्मस्थली वाराणसी से लाई गई पवित्र माटी एवं गंगाजल कलश वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर जिले के सभी भाजपा मंडलों के अध्यक्षों को पवित्र कलश वितरित किए गए। कार्यक्रम में संत रविदास जी के विचारों, सामाजिक समरसता और मानव समानता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

**सर्व समाज के संत थे गुरु रविदास : उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा**-कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज सर्व समाज के स्वीकार्य और पूजनीय संत थे। उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और सामाजिक भेदभाव का विरोध करते हुए मानवता, समानता, प्रेम, भाईचारे और कर्मप्रधान जीवन का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को सामाजिक समरसता, एकता और सद्भाव की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर संत रविदास जी की जन्मस्थली की पवित्र माटी को देशभर में पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है, ताकि संत रविदास जी के विचार और उनके महान संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाया जा सके।

**पवित्र माटी और गंगाजल बने सामाजिक समरसता के संदेशवाहक**-कार्यक्रम में वाराणसी स्थित संत रविदास जी की जन्मस्थली से लाई गई पवित्र माटी तथा गंगा नदी के पवित्र जल से भरे कलश का विधिवत वितरण किया गया। आयोजकों ने बताया कि इन कलशों को संबंधित मंडलों में ले जाकर विभिन्न गांवों तक पहुंचाया जाएगा तथा सामाजिक समरसता के माध्यम से संत रविदास जी के विचारों और शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा।इस दौरान पवित्र माटी को श्रद्धापूर्वक माथे से लगाया गया। कार्यक्रम स्थल संत रविदास जी के जयघोष और ÷मन चंगा तो कठौती में गंगा÷ के उद्घोष से गूंज उठा।

**सभी मंडल अध्यक्षों को सौंपा गया पवित्र कलश**-उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बेमेतरा जिले के सभी मंडलों के भाजपा मंडल अध्यक्षों को पवित्र कलश सौंपे। उन्होंने मंडल अध्यक्षों से कहा कि वे इन कलशों को अपने-अपने मंडलों के गांवों तक लेकर जाएं और संत रविदास जी की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि यह पवित्र कलश केवल माटी और गंगाजल का प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, समानता और समरसता का संदेशवाहक है।

**सामाजिक समरसता के अग्रदूत थे गुरु रविदास : मंत्री दयाल दास बघेल**-कार्यक्रम में मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि संत गुरु रविदास जी ने समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव और छुआछूत जैसी कुरीतियों को दूर करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका प्रसिद्ध संदेश ÷मन चंगा तो कठौती में गंगा÷ केवल एक पंक्ति नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन है। यह संदेश हमें बताता है कि मनुष्य की पहचान उसके कर्मों से होती है, जन्म से नहीं। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी ने अपनी वाणी और दोहों के माध्यम से समाज को समानता, प्रेम, भाईचारे और मानवता का मार्ग दिखाया। उनके विचार आज भी समाज के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं और सामाजिक समरसता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

**गुरु रविदास जी ने समाज में जागृति का संदेश दिया : विधायक दीपेश साहू**-बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने कहा कि संत गुरु रविदास महाराज ने समाज में जागृति लाने का महान कार्य किया। उन्होंने सामाजिक समरसता और समानता का संदेश देकर समाज को एकजुट करने का कार्य किया। उनके विचारों को आत्मसात कर हम एक मजबूत, समतामूलक और सद्भावपूर्ण समाज का निर्माण कर सकते हैं।

**सामाजिक असमानता की खाई मिटाने का किया कार्य : विधायक ईश्वर साहू**-साजा विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि संत रविदास जी ने समाज में व्याप्त कुरीतियों और सामाजिक असमानता के भेदभाव की खाई को मिटाने का कार्य किया। उन्होंने मानव मात्र को समान मानते हुए प्रेम, भाईचारे और सद्भाव का संदेश दिया, जो आज भी समाज को नई दिशा प्रदान करता है।

**बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं अनुयायी रहे उपस्थित**-कार्यक्रम में नगर पंचायत बेमेतरा के अध्यक्ष विजय सिंहा, छत्तीसगढ़ रजककार बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि अजय साहू सहित जिले के जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में संत रविदास समाज के अनुयायी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार संतों के विचारों और उनके बताए मानवता, समानता एवं सामाजिक समरसता के मार्ग पर चलते हुए ÷सबका साथ, सबका विकास÷ के लक्ष्य को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। संत गुरु रविदास महाराज की शिक्षाएं समाज को एकता और सद्भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।

# सूरजपुर में 12 सितम्बर को लगेगी वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत

**सूरजपुर।** 12 सितम्बर को आयोजित होने वाली वर्ष 2026 की तीसरी नेशनल लोक अदालत की तैयारियों के संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सूरजपुर के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश थॉमस एक्का की अध्यक्षता में न्यायालय परिसर में दो दिवसीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के पहले दिन 18 अगस्त को अधिवक्ताओं के साथ तथा दूसरे दिन 19 अगस्त को विभिन्न शासकीय विभागों एवं बैंकिंग संस्थानों के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें संबंधित न्यायिक अधिकारीगण भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश थॉमस एक्का ने अधिवक्ताओं से आग्रह किया कि वे न्यायालयों में वर्षों से लंबित राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरणों तथा मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण कराने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के सार्थक प्रयासों से पक्षकारों के मध्य सौहार्दपूर्ण वातावरण में मामलों का निपटारा संभव हो सकेगा, जिससे न्यायालयों पर लंबित प्रकरणों का भार भी कम होगा। 19 अगस्त को आयोजित बैठक में विद्युत विभाग, दूरसंचार विभाग, नगरपालिका तथा जिले में संचालित विभिन्न बैंकों के अधिकारियों को प्री-लिटिगेशन प्रकरण शीघ्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। प्रधान जिला न्यायाधीश ने कहा कि लोक अदालत के आयोजन से पूर्व पक्षकारों को समय रहते नोटिस की तामीली सुनिश्चित की जाए। ताकि उन्हें अपने प्रकरणों के निराकरण की तैयारी एवं आवश्यक व्यवस्था हेतु पर्याप्त अवसर मिल सके। नोटिस तामीली में आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों पर भी विचार-विमर्श कर उन्हें दूर करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बैंक ऋण वसूली, विद्युत बिल बकाया एवं अन्य लेन-देन संबंधी प्रकरणों के त्वरित समाधान पर भी विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नियमों के तहत उपलब्ध अधिकतम छूट एवं राहत का लाभ आम नागरिकों तथा पक्षकारों तक पहुँचाया जाए। प्रधान जिला न्यायाधीश ने आगामी नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने के लिए सभी विभागों, अधिवक्ताओं एवं न्यायिक अधिकारियों से बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया, ताकि आम जनता को त्वरित, सुलभ एवं सर्वसम्मति से न्याय प्राप्त हो सके।

# आबकारी विभाग की अवैध शराब के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई

## ढाई लाख रुपए तक का शराब और महुआ लहान जब्त

**अम्बिकापुर।** जिले में अवैध रूप से शराब बनाने का मामला सामने आया है। शहर से लगे खैरबार क्षेत्र में बड़े पैमाने पर भट्ठी लगाकर शराब बनाने का काम किया जा रहा था। आबकारी विभाग ने छापेमार कार्रवाई में 135 लीटर शराब के साथ ही 47 सौ किलोग्राम महुआ लहान जब्त किया गया जिसकी कीमत ढाई लाख रुपए तक आंकी गई है।

बता दें कि जिला आबकारी अधिकारी एलके गायकवाड के मार्गदर्शन में आबकारी उपनिरीक्षक श्रीमती सरिता साहू के नेतृत्व में बुधवार को प्राप्त सूचना के आधार पर अवैध शराब के विरूद्ध बड़ी कार्यवाही की गई। आबकारी वृत्त अम्बिकापुर के अंतर्गत अम्बिकापुर के खैरबार निवासी अमृता केरकेट्टा के कब्जे से 135.00 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब, 34 ड्रम में शराब बनाने योग्य 4700.00 किलोग्राम महुआ लाहन एवं 05 चढ़ी भट्ठी जिसका बाजार मूल्य 2 लाख 48 हजार 500 रुपए है, इसे जब्त कर छ.ग आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) (क), 34(1) (ख), 34(1) (च), 34(2) व 59 (क) के तहत् गैर जमानती अपराध होने पर आरोपिया के विरूद्ध प्रकरण कायम कर गिरफ्तार किया गया एवं न्यायिक रिमांड में जेल भेजा गया। कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक सौरभ कुमार साहू, अनिल कुमार गुप्ता, आबकारी मुख्य आरक्षक अयोध्या प्रसाद रंजन, गंभीर साय, चन्द्रिका पटेल आरक्षक सौरभ जायसवाल, नगर सैनिक राकेश चौबे, अजीत तिर्की एवं महिला नगर सैनिक संगीता पाठक का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा।

# बच्चे से मारपीट के मामले में प्रधान पाठक निलंबित, जिला शिक्षा अधिकारी ने की कार्रवाई

**बलरामपुर।** प्राथमिक शाला बालक आश्रम, जिगड़ी में कक्षा 5वीं के छात्र के साथ मारपीट किए जाने के मामले में जांच में पुष्टि के बाद प्रधान पाठक विपता राम रवि को निलंबित किया गया है। प्रकरण की जांच में संबंधित छात्र, उसके भाई अन्य विद्यार्थियों, शिक्षक उमेश कुमार महंत एवं प्रधान पाठक विपता राम रवि के कथनों के साथ पंचनामा तथा विद्यालय की दैनिक छात्र उपस्थिति पंजी का परीक्षण किया गया। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कक्षा 5वीं के छात्र के साथ प्रधान पाठक विपता राम रवि द्वारा बाँस की छड़ी से मारपीट किए जाने की घटना प्रथम दृष्टया प्रमाणित पाई गई।जांच के दौरान घटना के दिन से छात्र को अनुपस्थित दर्ज किए जाने संबंधी विद्यालय की उपस्थिति पंजी में भी विसंगति सामने आई। जांच प्रतिवेदन में उल्लेखित तथ्यों के अनुसार प्रधान पाठक का उक्त कृत्य बालकों का निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 17(1) तथा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 के प्रावधानों के विपरीत पाया गया। जो प्रथम दृष्टया गंभीर कदाचार की श्रेणी में आता है। उपलब्ध तथ्यों एवं अभिमत के आधार पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1)(क) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा श्री विपता राम रवि, को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में विपता राम रवि का मुख्यालय कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, वाड्रफनगर निर्धारित किया गया है।

# कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने ली प्राचार्यों की बैठक,शिक्षा व्यवस्था में सुधार और परीक्षा परिणाम बेहतर करने के दिए निर्देश

**सूरजपुर।** कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की अध्यक्षता में आज जिले के शासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में एसडीएम सूरजपुर श्रीमती शिवानी जायसवाल, डीईओ श्रीमती लता बेक, डीएमसी मनोज साहू सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा सभी स्कूलों के प्राचार्य उपस्थित थे। बैठक में जिले में शिक्षा व्यवस्था एवं शिक्षण के स्तर को बेहतर बनाने, विद्यार्थियों को आधुनिक समय की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने तथा आगामी 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कहा कि बच्चों को शिक्षा देना केवल ड्यूटी नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। शिक्षक बच्चों को अपने बच्चों की तरह समझकर पूरी प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता के साथ शिक्षा प्रदान करें। शिक्षा व्यवस्था में सुधार का व्यापक प्रभाव समाज के विकास पर पड़ता है। उन्होंने सभी प्राचार्यों को अपने विद्यालयों में अनुशासन का वातावरण बनाने, शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए।

**लापरवाही करने वाले शिक्षकों पर होगी कार्रवाई**-बैठक में परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए कमजोर परिणाम वाले विद्यालयों एवं विषयवार प्रदर्शन पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन विषयों में शिक्षकों द्वारा अपेक्षित गुणवत्ता के साथ अध्यापन नहीं कराया जा रहा है अथवा कार्य में लापरवाही बरती जा रही है, ऐसे शिक्षकों की जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। वहीं बेहतर कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने की बात कही गई।उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में शिक्षकों के सुझाव, नवाचार और मेहनत की महत्वपूर्ण भूमिका है। जो शिक्षक आगे आकर बेहतर कार्य करेंगे, उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा।

**बोर्ड परीक्षा परिणाम सुधारने की बनेगी कार्ययोजना**-कलेक्टर ने 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए विद्यालयवार ठोस रणनीति एवं कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। बीईओ एवं प्राचार्यों को मेधावी विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें बेहतर मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए कार्ययोजना बनाने को कहा गया। विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की नियमित समीक्षा के लिए प्रत्येक माह जिला स्तर पर तैयार किए गए प्रश्नपत्रों के माध्यम से मासिक टेस्ट आयोजित किए जाएंगे। परीक्षा के बाद विद्यार्थियों के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए संबंधित शिक्षकों एवं प्राचार्यों की बैठक लेकर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। साथ ही स्कूलों में अच्छे प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

**सेवानिवृत्त हो रहे कर्तव्यनिष्ठ प्राचार्यों से लिए जा रहे सुझाव**-विद्यालयों में शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने के लिए सेवानिवृत्त होने वाले कर्तव्यनिष्ठ प्राचार्यों से उनके अनुभव एवं सुझाव लेने पर भी जोर दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि वर्षों के अनुभव से प्राप्त सुझावों का उपयोग विद्यालयों की व्यवस्था एवं विद्यार्थियों के शैक्षणिक परिणाम सुधारने में किया जा सकता है। उन्होंने विद्यालयों में विद्यार्थियों को बेहतर एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने, जर्जर भवनों सहित किसी भी समस्या की स्थिति की जानकारी तत्काल उपलब्ध कराने तथा शासन की सभी शैक्षणिक योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

**हर माह होगी प्राचार्यों की बैठक**-कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में निरंतर सुधार के लिए प्राचार्यों की बैठक प्रत्येक माह आयोजित की जाएगी। इन बैठकों में विद्यालयों की शैक्षणिक प्रगति, विद्यार्थियों की उपस्थिति, मासिक टेस्ट के परिणाम, शिक्षकों की कार्यप्रणाली एवं बोर्ड परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने सभी प्राचार्यों से अपने-अपने विद्यालयों की कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने का कहा। बैठक में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए प्राचार्यों एवं शिक्षकों से सुझाव भी लिए गए।

# आंगनबाड़ी केंद्र के समीप खेलते समय 7 फीट गहरे गड्ढे में गिरे दो बच्चे, बच्ची की मौत

### एक को बचाया गया, निर्माणाधीन छात्रावास परिसर में बना है गड्ढा, लुंड्रा का मामला

**अंबिकापुर।** निर्माणाधीन छात्रावास भवन के गड्ढे में गिरने से 5 साल के बच्ची की मौत हो गई। बच्ची गांव के अन्य बच्चों के साथ आंगनबाड़ी आई थी और आंगनबाड़ी के बाहर खेल रही थी। इस खेलते हुए दो बच्चे लगभग 7 फीट गहरे गड्ढे में गिर गए। इस दौरान एक बच्चे को बचा लिया गया लेकिन बच्ची की मौत हो गई। मामले में पुलिस द्वारा मर्ग कायम किया गया है। वहीं इस घटना को लेकर आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की सुरक्षा सवालों के घेरे में आ गई है। वहीं इस तरह बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के गड्ढों को खुला छोड़ने को लेकर भी नाराजगी है। जानकारी के अनुसार बुधवार को लुंड्रा के सेमरडांड में सेक्टर के आंगनबाड़ी केन्द्रों की बैठक आयोजित की गई थी। इस दौरान सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती रूबी कुमारी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यकर्ताओं को बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनाने के लिए आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी जा रही थी। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र में चार बच्चे जया उम्र 4 वर्ष 10 माह, सरस्वती उम्र 7 वर्ष, ऋतिक उम्र 8 वर्ष तथा संतोषी उम्र 5 वर्ष 2 माह मौजूद थे। सभी बच्चे आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में खेल रहे थे। इसी दौरान अचानक ही बैठक कर रहे कर्मचारियों को बच्चों के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। जब सेक्टर पर्यवेक्षक और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे तो निर्माणाधीन छात्रावास के समीप बने 6-7 फीट गहरे गड्ढे में दो बच्चे डूबे हुए थे जिन्हे निर्माण कार्य में लगे मजदूरों की मदद से बाहर निकाला गया लेकिन तब तक बच्ची जया की मौत हो चुकी थी जबकि ऋतिक की हालत गंभीर थी। ऋतिक को उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया जहां से उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रिफर कर दिया गया है। मासूम बच्ची की मौत से परिजन सदमे में है।

**आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की सुरक्षा पर सवाल**-बच्ची की मौत के बाद आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए है। निर्माणाधीन छात्रावास के परिसर में बने बड़े गड्ढों में पानी भरा था और पास में ही आंगनबाड़ी केंद्र है इसके बाद भी इन पानी से भरे गड्ढों को सुरक्षित नहीं किया गया जिससे यह घटना हुई। वहीं आंगनबाड़ी केंद्र के समीप इस तरह से खुले गड्ढों को लेकर महिला एवम बाल विकास विभाग की ओर से भी कोई सावधानी नहीं बरती गई।

## सूचना मिलते ही एनडीआरएफने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन, सीपीआर देकर बचाई एक व्यक्ति की जान

# हेलो-हेलो कंट्रोल रूम अमोरा घाट में बाढ़ में फंसे हैं 5 लोग

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच नदी-नाले उफान पर हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने के लिए गुरुवार को मॉकड्रिल आयोजित की गई। मॉकड्रिल के दौरान कंट्रोल रूम में अचानक सूचना पहुंची--÷हेलो-हेलो कंट्रोल रूमज अमोरा घाट में बाढ़ आने से 5 लोग पानी में फंस गए हैं।÷ सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एनडीआरएफ, पुलिस, स्वास्थ्य एवं राजस्व विभाग की टीमों को सक्रिय किया। कुछ ही समय में एनडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और बाढ़ में फंसे पांचों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। मॉकड्रिल का उद्देश्य बाढ़ जैसी आपदा की स्थिति में जिला प्रशासन और संबंधित विभागों की त्वरित प्रतिक्रिया, आपसी समन्वय तथा रेस्क्यू व्यवस्था की तैयारियों को प्रदर्शित करना था। इस दौरान वास्तविक आपदा जैसी परिस्थितियां निर्मित कर राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास कराया गया।

**अचानक बढ़ा नदी का जलस्तर, खेत में फंसे पांच लोग**-मॉकड्रिल के तहत बेमेतरा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम अमेरा के समीप नदी में अचानक जलस्तर बढ़ने की स्थिति प्रदर्शित की गई। खेत में काम कर रहे दो पुरुष, दो महिलाएं और एक बच्चा तेज जल बहाव के बीच फंस गए। पानी लगातार बढ़ने पर सभी ऊंचे स्थान पर पहुंचकर मदद के लिए आवाज लगाने लगे। ग्रामीणों ने तत्काल डायल 112 और जिला कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने एनडीआरएफ की रायपुर यूनिट को तत्काल सूचना देकर रेस्क्यू टीम रवाना करने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग और स्थानीय पुलिस को भी अलर्ट किया गया।

**रबर बोट और रस्सियों की मदद से शुरू हुआ रेस्क्यू**-सूचना मिलते ही एनडीआरएफ की टीम आवश्यक रेस्क्यू उपकरणों के साथ घटनास्थल पर पहुंची। तेज बहाव और कीचड़ के बीच टीम ने रबर बोट एवं रस्सियों की सहायता से बचाव अभियान शुरू किया। प्रशिक्षित जवानों ने सावधानीपूर्वक कार्रवाई करते हुए बाढ़ में फंसे दो पुरुषों, दो महिलाओं और एक बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू के दौरान एक बच्चा बेहोशी की हालत में पाया गया। उसके पेट में पानी चले जाने के कारण उसकी स्थिति गंभीर थी। एनडीआरएफ के मेडिकल ऑफिसर ने मौके पर ही प्राथमिक उपचार के साथ सीपीआर दिया। लगभग 10 मिनट तक किए गए प्रयास के बाद बच्चे ने सांस लेना शुरू किया और उसे होश आया। इसके बाद सभी पांच लोगों को एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साजा भेजा गया।

**समन्वित कार्रवाई से सफल रहा मॉकड्रिल**-मॉकड्रिल के दौरान जिला प्रशासन, एनडीआरएफ, पुलिस, स्वास्थ्य एवं राजस्व विभाग के बीच बेहतर समन्वय देखने को मिला। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने रेस्क्यू किए गए लोगों से मुलाकात कर उनकी स्थिति की जानकारी ली और बचाव दल की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि बाढ़ जैसी आपदा के समय प्रत्येक मिनट महत्वपूर्ण होता है। जिला प्रशासन और रेस्क्यू टीमों की तत्परता एवं बेहतर समन्वय से आपात स्थिति में जनहानि को कम किया जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि मौसम विभाग के अलर्ट को गंभीरता से लें तथा बारिश के दौरान नदी, नाले और अन्य जलस्रोतों के आसपास जाने से बचें।

**मानसून को देखते हुए पहले से की गई है तैयारी**-एसडीआरएफ कमांडेंट ने बताया कि मानसून को ध्यान में रखते हुए जिले में पहले से ही रेस्क्यू बोट, लाइफ जैकेट, आवश्यक बचाव उपकरण और प्रशिक्षित गोताखोरों की टीम को तैयार रखा गया है। इसी तरह की मॉकड्रिल का उद्देश्य आपदा के समय उपलब्ध संसाधनों और टीमों की कार्यक्षमता को परखना तथा कम से कम समय में प्रभावित लोगों तक राहत एवं बचाव पहुंचाना है।

**जिला प्रशासन ने की आमजन से अपील**-जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि भारी बारिश के दौरान नदी, नाले, तालाब एवं अन्य जलस्रोतों के पास न जाएं। बच्चों को जलभराव वाले स्थानों से दूर रखें और उन्हें अकेले नदी-नालों के आसपास न जाने दें। किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में तत्काल डायल 112 अथवा जिला कंट्रोल रूम को सूचना दें। मॉकड्रिल के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री त्रिलोक बंसल, अपर कलेक्टर श्री प्रकाश भारद्वाज, एसडीएम द्वय सुश्री दीप्ति वर्मा एवं सुश्री पिंकी मनहर सहित जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य, राजस्व तथा आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

# जनपद पंचायत बरमकेला में अफसर–कर्मचारियों की गैरहाजिरी पर गिरी गाज, CEO ने थमाया शो–कॉज नोटिस

## खाली पड़े कार्यालय की तस्वीर से खुली पोल, शिकायत के बाद डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा ने लिया संज्ञान

**बरमकेला/मूक पत्रिका**

जनपद पंचायत बरमकेला कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारियों की अनुपस्थिति को लेकर उठे सवालों पर अब प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कार्यकारी जिलाध्यक्ष, अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति देवराज दीपक ने कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारियों की अनुपस्थिति को लेकर खाली पड़े कार्यालय की तस्वीर मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा को भेजकर शिकायत की थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए डिप्टी कलेक्टर ने संबंधित अनुपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को शो-कॉज नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।मामले में प्रशासनिक कार्रवाई शुरू होने से कार्यालयीन व्यवस्था में हड़कंप मच गया है। सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि जनपद पंचायत जैसे महत्वपूर्ण कार्यालय में ही अधिकारी-कर्मचारी समय पर उपलब्ध नहीं रहेंगे तो ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर आखिर किसके पास जाएंगे?शिकायत पर तत्काल संज्ञान देवराज दीपक द्वारा भेजी गई तस्वीर और शिकायत के बाद डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा ने मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को नोटिस जारी करते हुए अनुपस्थिति को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि संबंधित अधिकारी-कर्मचारी अपने बचाव में क्या जवाब प्रस्तुत करते हैं।

**डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा ने कहा** –÷सभी संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को शो-कॉज नोटिस दिया गया है। उनसे जवाब मांगा गया है। जवाब प्राप्त होने के बाद यदि स्पष्टीकरण संतोषप्रद नहीं पाया गया तो नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

÷**देवराज दीपक कार्यकारी जिलाध्यक्ष अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति ने कहा** –÷जनपद पंचायत कार्यालय जनता की समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण केंद्र है। अधिकारी-कर्मचारियों की अनुपस्थिति किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। शिकायत का संज्ञान लेकर नोटिस जारी करना स्वागत योग्य कदम है। अब जरूरत है कि जवाब के आधार पर जिम्मेदारी तय कर ठोस कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कार्यालय आने वाले ग्रामीणों को अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए भटकना न पड़े।

**अब कार्रवाई पर टिकी नजर**–शो-कॉज नोटिस जारी होने के बाद प्रशासनिक कार्रवाई की पहली कड़ी पूरी हो गई है, लेकिन असली सवाल अब जवाब के बाद होने वाली कार्रवाई का है। यदि अनुपस्थिति का स्पष्टीकरण संतोषप्रद नहीं मिलता है, तो क्या संबंधितों पर कड़ी कार्रवाई होगी? यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। फिलहाल प्रशासन के इस कदम से यह संदेश जरूर गया है कि सरकारी कार्यालयों में मनमानी और गैरहाजिरी को लेकर प्रशासन अब गंभीर है।

# जिला प्रशासन की निगरानी में पारदर्शी तरीके से हो रही राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की भर्ती

### 33 पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी, 8 पदों की कौशल परीक्षा पूरी; 21 और 22 अगस्त को 10 पदों के लिए होगी परीक्षा

**बीजापुर/मूक पत्रिका**

शासन की प्राथमिकता के अनुरूप जिले के सुदूर एवं दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग बीजापुर अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से 33 पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। भर्ती की संपूर्ण प्रक्रिया जिला प्रशासन की निगरानी में निर्धारित भर्ती नियमों का पालन करते हुए पारदर्शी तरीके से संपन्न की जा रही है।भर्ती प्रक्रिया के तहत जिले में अब तक 08 पदों के लिए कौशल परीक्षा पूर्ण की जा चुकी है। आगामी 21 अगस्त 2026 को 05 पदों–फीडिंग डेमॉन्स्ट्रेटर, लैब टेक्नीशियन, आरबीएसके एमओ एवं फिजियोथेरेपिस्ट–के लिए कौशल परीक्षा आयोजित की जाएगी। वहीं 22 अगस्त 2026 को 05 पदों–डेंटल सर्जन, टेक्निकल असिस्टेंट हियरिंग इम्पेयर्ड चिल्ड्रन, पीएडीए, सेक्रेटेरियल असिस्टेंट एवं टेक्निकल असिस्टेंट ऑडियोमेट्रिक–के लिए कौशल परीक्षा आयोजित होगी।भर्ती प्रक्रिया जिला पंचायत की सीईओ नम्रता चौबे के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में संचालित की जा रही है। इसके साथ ही डिप्टी कलेक्टर श्री मयंक मंडावी तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भर्ती प्रक्रिया की सतत निगरानी कर रहे हैं। इसका उद्देश्य चयन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप संपन्न कराना है।राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत इन पदों पर चयनित प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की सेवाओं से जिले के सुदूर एवं दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। इससे नागरिकों को उनके घर के निकट बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। साथ ही जिले के शिक्षित एवं योग्य नवयुवाओं को रोजगार के नए अवसर भी प्राप्त होंगे। जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि भर्ती प्रक्रिया में पात्र एवं योग्य अभ्यर्थियों को समान अवसर प्रदान करते हुए पारदर्शी तरीके से चयन सुनिश्चित किया जाए। इससे जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता दोनों में निरंतर सुधार लाने में मदद मिलेगी।

# भटगांव पुलिस की लगातार ताबड़तोड़ कार्रवाई, दो शराब कोचिए गिरफ्तार

## ठरकपुर और गदहभाठा में छापेमारी

### 30 लीटर महुआ शराब जब्त; आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

**सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका**

अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए भटगांव पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में थाना भटगांव पुलिस ने ग्राम ठरकपुर और गदहभाठा में अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर दो शराब कोचियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 30 लीटर हाथ भट्ठी की कच्ची महुआ शराब जब्त की है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरेन्द्र पटेल एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस दीपिका मिंज के मार्गदर्शन में की गई। थाना प्रभारी उप निरीक्षक शिवकुमार धारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर 20 अगस्त को दोनों गांवों में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान गरीब दास (45 वर्ष), निवासी ग्राम ठरकपुर के कब्जे से 20 लीटर कच्ची महुआ शराब (कीमत लगभग ?4,000) तथा हलधर निराला (59 वर्ष), निवासी ग्राम गदहभाठा के कब्जे से 10 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब (कीमत लगभग ?2,000) बरामद की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें विधिवत गिरफ्तार किया। न्यायालय में पेश किए जाने के बाद दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर उप जेल सारंगढ़ भेज दिया गया।

भटगांव पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

# ग्रामीणों ने विधायक मंडावी से की शिकायत, जॉन डियर संचालक व मैनेजर के खिलाफएफआईआर और राशि लौटाने की मांग

## ट्रैक्टर फाइनेंस के नाम पर 15 लाख से अधिक की ठगी का आरोप

**बीजापुर/मूक पत्रिका**

ट्रैक्टर फाइनेंस कराने के नाम पर ग्रामीणों से लाखों रुपए लिए जाने और राशि वापस नहीं लौटाने का मामला सामने आया है। गंगालूर तहसील क्षेत्र के कावड़गांव, हिरोली, मेटापाल, गंगालूर, पुसनार सहित आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने शिवम् ट्रैक्टर (जॉन डियर), जीएडी कॉलोनी बीजापुर के मैनेजर माधव मंडल पर करीब 15 लाख 73 हजार रुपए लेने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि फाइनेंस कराने के नाम पर उनसे रकम ली गई, लेकिन न तो ट्रैक्टर फाइनेंस हुआ और न ही राशि वापस की गई। ग्रामीणों ने मामले को लेकर बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जॉन डियर के मालिक और मैनेजर के खिलाफ कार्रवाई, एफआईआर दर्ज कराने तथा कथित रूप से ली गई राशि वापस दिलाने की मांग की गई है।

**किससे कितनी राशि लेने का आरोप**–ग्रामीणों के अनुसार मेटापाल के भीमा कुंजाम से 1.60 लाख, दिनेश पुनेम से 1.50 लाख, जगत कुंजाम से 1.50 लाख, सामूराम कुंजाम से 1.45 लाख और संजू कुंजाम से 80 हजार रुपए लिए गए। वहीं गंगालूर के पोदया पोटाम व संजू हेमला से एक-एक लाख, पुसनार के जग्गू पोटाम से 1.50 लाख, हिरोली के मंगल कारम से 90 हजार तथा कावड़गांव के सुक्का पुनेम से 68 हजार, दुला पुनेम से 1.10 लाख, लखमा पुनेम से 1 लाख, छोटू पुनेम से 1 लाख, सुखराम पुनेम से 50 हजार और मंगल पुनेम से 20 हजार रुपए लिए जाने का आरोप है। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित मैनेजर अब फोन रिसीव नहीं कर रहा है और कथित तौर पर ली गई रकम वापस नहीं की गई है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

**विधायक ने एसपी को लिखा पत्र**–शिकायत मिलने के बाद विधायक विक्रम मंडावी ने मामले को गंभीर बताते हुए शासन-प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को फाइनेंस के नाम पर ठगी का शिकार बनाना गंभीर मामला है। विधायक ने ग्रामीणों की मांग के अनुरूप पुलिस अधीक्षक बीजापुर को पत्र लिखकर जॉन डियर के मालिक एवं मैनेजर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। विधायक ने ग्रामीणों से भी अपील की कि फाइनेंस कंपनी या किसी संस्था के नाम पर गांव में आने वाले लोगों की पूरी जानकारी और दस्तावेजों की जांच करने के बाद ही किसी को राशि दें।

*÷ग्रामीणों का कहना है कि ट्रैक्टर फाइनेंस के भरोसे उन्होंने अपनी जमा पूंजी दी थी। अब राशि वापस नहीं मिलने से उनके सामने आर्थिक संकट की स्थिति है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है।÷*

# चंद्रपुर के दरहाघाट में बाढ़ आपदा से बचाव (मॉकड्रिल) का किया गया आयोजन

**सक्ती/मूक पत्रिका**

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार, नई दिल्ली, छत्तीसगढ़ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, जिला सक्ती के संयुक्त तत्वावधान में आज तहसील चंद्रपुर अंतर्गत दरहाघाट में बाढ़ आपदा से बचाव एवं राहत कार्यों की तैयारियों को परखने के लिए जिला स्तरीय बाढ़ बचाओ प्रशिक्षण मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्री अरुण कुमार सोम ने कहा कि मॉकड्रिल का उद्देश्य आपदा के समय बचाव एवं राहत कार्यों की तैयारियों को परखना तथा आमजन को बाढ़ जैसी आपदाओं से बचाव के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि आपदा की स्थिति में शासकीय विभागों के साथ आम नागरिकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए सभी को आपदा के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों एवं बचाव के तरीकों की जानकारी होना आवश्यक है। मॉकड्रिल के दौरान एसडीआरएफ पुलिस, नगर सेना, स्वास्थ्य विभाग एवं आपातकालीन सेवाओं की टीम द्वारा बाढ़ बचाव में उपयोग होने वाली सामग्री, लाइफजैकेट, रस्सी और बोट आदि की जांच कर बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया। टीम द्वारा नदी में डूब रहे व्यक्तियों एवं पशुओं को बचाने, तेज बहाव में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने तथा आपदा के दौरान स्वयं और दूसरों की जीवन रक्षा के विभिन्न तरीकों का प्रदर्शन किया गया। मॉकड्रिल में स्थानीय प्रशासन, ग्रामीणों, एनसीसी कैडेट्स, स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं एवं आम नागरिकों को भी शामिल किया गया, ताकि आपदा के समय सही तरीके से बचाव दल की सहायता की जा सके। इस अवसर पर तहसीलदार श्री संजय मिंज, बाढ़ बचाव दल के जवान, विभिन्न जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, आमजन, बच्चे तथा संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

# जम्मू-कश्मीर से बरामद हुईं बिलाईगढ़ की दो नाबालिग बालिकाएं, दो आरोपी गिरफ्तार..

**सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका**

बिलाईगढ़ थाना क्षेत्र से अलग-अलग मामलों में लापता हुई दो नाबालिग बालिकाओं को पुलिस ने जम्मू-कश्मीर से बरामद कर लिया है। पुलिस ने दोनों मामलों में बालिकाओं को बहला-फुसलाकर ले जाने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार, पहला मामला 20 जनवरी 2026 का है। एक नाबालिग बालिका के घर से बिना बताए चले जाने के बाद उसकी मां ने बिलाईगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसी तरह दूसरे मामले में 23 मार्च 2026 को एक नाबालिग के लापता होने की रिपोर्ट उसके पिता ने दर्ज कराई थी। दोनों मामलों में अलग-अलग अपराध दर्ज कर पुलिस बालिकाओं की तलाश कर रही थी।

**तकनीकी जानकारी से जम्मू-कश्मीर में मिला सुराग**–जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर दोनों बालिकाओं के जम्मू-कश्मीर में होने की जानकारी जुटाई। इसके बाद पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा के निर्देश पर दोनों की तलाश और बरामदगी के लिए विशेष टीम रवाना की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरेंद्र पटेल और एसडीओपी दीपिका मिंज के मार्गदर्शन में प्रशिक्षु उप निरीक्षक सुरेंद्र कुमार, प्रधान आरक्षक चंद्रशेखर पटेल, आरक्षक नरेंद्र चंद्रा और महिला आरक्षक फुलकारी कुर्रे की टीम जम्मू-कश्मीर पहुंची। पुलिस टीम ने एक बालिका को नागमणि, जिला जम्मू से रोशन बंजारे के कब्जे से और दूसरी बालिका को ओमपुरा, जिला बड़गांव, जम्मू-कश्मीर से शिवा पटेल के कब्जे से बरामद किया।

**दोनों आरोपियों को भेजा गया जेल**–पुलिस के मुताबिक, बालिकाओं को बिलाईगढ़ लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में दोनों ने आरोपियों द्वारा उन्हें बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने और शादी करने के बाद दुष्कर्म करने की बात बताई। मामले में पुलिस ने रोशन बंजारे, उम्र 21 वर्ष, निवासी ग्राम पचरी और शिवा पटेल, उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम तेंदुमुड़ी, थाना बिलाईगढ़ को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस ने दोनों नाबालिग बालिकाओं को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। मामले में पुलिस की आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

## विद्यालयों में शिक्षा गुणवत्ता सुधारने एवं लंबित कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के दिए निर्देश

# जिला पंचायत सीईओ ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों की ली बैठक

**सक्ती/मूक पत्रिका**

कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के निर्देशन मे जिला पंचायत सक्ती मुख्य कार्यपालन अधिकारी वासु जैन ने आज जिला पंचायत सभाकक्ष में शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में संचालित विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं एवं अन्य गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने शिक्षा विभाग के सभी जिला स्तरीय और विकास खंड स्तरीय अधिकारियों से विभागीय योजनाओं और कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अपार आईडी, एमबीयू अपडेशन, जाति प्रमाण पत्र एवं इंस्पायर अवार्ड की प्रगति की समीक्षा की। जिला पंचायत सीईओ ने इन कार्यों को शिविर आयोजित कर निर्धारित समय-सीमा में अनिवार्य रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों में प्रतिदिन अंशकालीन सफाईकर्मी के माध्यम से विद्यालय परिसर, कक्षाओं एवं शौचालयों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को अत्यधिक आवश्यकता वाले विद्यालयों को चिन्हित कर अतिरिक्त कक्ष एवं शौचालय निर्माण के लिए मांग पत्र एवं प्राक्कलन शीघ्र जमा करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ जैन ने आगामी माह में कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित करने तथा विद्यार्थियों से सीधे संवाद के लिए कार्ययोजना तैयार करने की बात कही। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. कुमुदिनी वाघ द्विवेदी ने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को जिला पंचायत सीईओ द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने तथा जिले में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सतत प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में बीईओ सक्ती श्री दिलीप कुमार पटेल, बीईओ मालखरौदा एम.एल. प्रधान, बीईओ डभरा श्रीमती लक्ष्मी चौहान, बीईओ जैजैपुर रामकुमार साहू, एबीईओ श्रीमती नीलिमा बड़गे, चंद्रिका आर्मो, मनीष शर्मा, सेजेस नोडल अरुण कुमार जायसवाल, जिला नोडल स्थानीय परीक्षा सुरेश कुमार जायसवाल तथा आशुतोष शर्मा सहित शिक्षा विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।